कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 299, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 25 नवंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

गहलोत का पायलट पर हमला, कहा- जिसने बगावत की हो, उसे कैसे सीएम बना सकते हैं

'पायलट ने बगावत और गद्दारी की: गहलोत

जयपुर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी के पास 10 विधायक नहीं हैं, जिसने बगावत की हो, जिसे गद्दार नाम दिया गया है, उसे कैसे लोग स्वीकार कर सकते हैं। पायलट को कैसे सीएम बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे करवा लीजिए कि मेरे मुख्यमंत्री रहने से सरकार आ सकती है तो मुझे रखिए। अगर दूसरे चेहरे से सरकार आ सकती है तो उसे बनाइए। मैं अमरिंदर सिंह की तरह बगावत नहीं करूंगा। मैं सरकार लाने के लिए जान लगा दूंगा। एक निजी चैनल से बातचीत में गहलोत ने कहा कि जिसके कारण हम 34 दिन होटलों में बैठे रहे, ये सरकार गिरा रहे थे। जो आदमी गद्दारी कर चुका है, उसे हमारे एमएलए कैसे स्वीकार करेंगे? भविष्य में सीएम रहने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि आज तो मैं ही हूं यहां पर। हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार ही नहीं करेगा। हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। सितंबर की बातें हैं। अजय माकन और हाईकमान को अपनी फीलिंग बता चुका हूं। राजस्थान में सरकार आना जरूरी है। मैं तीन बार सीएम रह चुका। मेरे लिए सीएम रहना जरूरी नहीं है। गहलोत ने कहा कि जब 2009 में लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 20 सांसद कांग्रेस के जीते तो मुझे दिल्ली बुलाया गया। जब वर्किंग कमेटी की बैठक हुई तो राजस्थान से मंत्री बनाने के बारे में मुझसे पूछा गया। सचिन पायलट को जानकारी है कि मैंने पायलट को केंद्र में मंत्री बनाने की सिफारिश की थी। पार्टी की हालत पर गहलोत ने कहा कि मुझे कोई टेंशन नहीं है। थोड़े बहुत मतभेद सब जगह होते हैं। 25 सितंबर को बगावत नहीं हुई थी। 2019 में

बगावत हुई थी, 34 दिन होटलों में रहे। 25 सितंबर को 90 लोग इकट्ठे हुए। ये वे लोग थे, जिन्होंने सरकार बचाने में सहयोग किया, वरना सरकार बच नहीं सकती थी। बिना हाईकमान कोई सीएम सरकार बचा ही नहीं सकता। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री ऐसा नहीं है जो हाईकमान के बिना विधायकों का समर्थन ले ले। जिसने पार्टी के साथ गद्दारी की, गद्दारी किए हुए आदमी को हमारे विधायक कैसे स्वीकार कर सकते हैं। हम उम्मीद नहीं कर सकते थे कि पार्टी का अध्यक्ष अपनी ही पार्टी की सरकार गिराने के लिए विपक्ष से मिल जाए। इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। इसी वजह से विधायक, पायलट का नाम सुनते ही नाराज थे।

'पायलट समर्थक बोलते हैं- सीएम से कोई दिक्कत नहीं'

पायलट और समर्थक विधायकों को साइडलान करने के आरोप को गहलोत ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- 'सवाल ही पैदा नहीं होता। उनके सपोर्टर सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि सब काम होते हैं। पायलट समर्थक विधायक अजय माकन को अकेले में कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री की तरफ से कोई शिकायत नहीं है, जो मांगते हैं, वह काम करते हैं। वापस आने के बाद से अच्छा बर्ताव किया, कोई भेदभाव नहीं किया।'

पायलट के विरोध में 92 विधायकों ने दिया था इस्तीफा

दो महीने पहले 25 सितंबर को राजस्थान की राजनीति में तूफान आ गया था। राजस्थान के इतिहास में पहली बार हुआ था, जब कांग्रेस हाईकमान के आदेश के बावजूद मुख्यमंत्री का फैसला करने के लिए अधिकार हाईकमान को देने का प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने की तैयारी थी। उनकी जगह मुख्यमंत्री के रूप में हाईकमान की पसंद सचिन पायलट थे, लेकिन गहलोत खेमा पायलट के नाम पर नाराज हो गया था। विधायक दल की बैठक से पहले ही गहलोत गुट के करीब 92 विधायकों ने मंत्री शांति धारीवाल के घर बैठक बुलाई और एक साथ विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के घर पहुंचकर इस्तीफा दे दिया।

बगावत पर गहलोत ने सोनिया से मांगी थी माफी :28 सितंबर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से करीब डेढ़ घंटे की मुलाकात हुई थी। बगावत पर उन्होंने सोनिया गांधी से माफी मांगी और अध्यक्ष का चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था।

भाजपा समान नागरिक संहिता लाने के लिए प्रतिबद्ध: शाह

नई दिल्ली: गुजरात में चल रहे विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को फिर दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समान नागरिक संहिता लाने के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु बहस और चर्चा के बाद। उन्होंने कहा कि भाजपा का जनसंघ के दिनों से ही देश की जनता से ये वादा रहा है। शाह ने एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि संविधान सभा ने भी संसद और राज्यों को उपयुक्त समय पर समान नागरिक संहिता लाने की सलाह दी थी। क्योंकि किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश के लिए धर्म के आधार पर कानून नहीं होना

चाहिए। सभी के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं से पारित कानून एक समान होने चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा के अलावा कोई अन्य दल समान नागरिक संहिता के पक्ष में नही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बहस आवश्यक है और समान नागरिक संहिता के विषय पर खुलकर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा शासित राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में एक पैनल गठित किया है।

आफताब के मोबाइल की भायंदर की खाड़ी में तलाश

नई दिल्ली: श्रद्धा मर्डर केस में महाराष्ट्र और दिल्ली की पुलिस महाराष्ट्र की भायंदर खाड़ी में आफताब का मोबाइल तलाश कर रही है। इस केस की जांच के लिए पिछले महीने वसई की माणिकपुर पुलिस ने आफताब को पूछताछ के लिए बुलाया था, तब उसने अपने दो मोबाइल में से एक यहां फेंक दिया था।

आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट जारी: आफताब अमीन पूनावाला के पॉलीग्राफ टेस्ट का दूसरा चरण शुरू हो गया है।

तेजस्वी यादव की व्यक्तिगत कोई पहचान नहीं: पीके

पू. चम्पारण: जन सुराज पदयात्रा के 54वें दिन गुरुवार को हरसिद्धि में प्रशांत किशोर ने एक बड़ा ऐलान किया। कहा कि जन सुनवाई के लिए हर प्रखंड में 'जन सुराज नागरिक सहायता केंद्र' खोला जाएगा। जन सुराज अभियान से जुड़े सदस्य इसके माध्यम से समाज की मदद कर सकेंगे। इस काम के लिए पूरी प्रक्रिया होने में 1- 2 माह का वक्त लगेगा। गायघाट पर पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि पदयात्रा के दूसरे चरण में अगर लोगों की सहमति हुई तो मिलकर दल बनाएंगे। दल किसी एक व्यक्ति, परिवार, किसी जाति विशेष का न होकर सभी लोगों का होगा। पश्चिमी चंपारण की तर्ज पर पूर्वी चंपारण में भी जिला अधिवेशन किया जाएगा। प्रशांत किशोर ने 54वें दिन पदयात्रा की शुरूआत गायघाट पंचायत में सर्वधर्म प्रार्थना से शुरू की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से शुरू पदयात्रा बरहरवा, बेहरुपिया, जयसिंह मौजे, जयसिंहपुर, खेरवा, बैचू टोला जयसिंहपुर, चैनपुर, तुरकौलिया होते हुए सुगौली के लिए प्रस्थान कर गया।

लालू यादव के लड़के होने के अलावा तेजस्वी यादव की कोई पहचान नहीं: मीडिया से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव दोनों पर निशाना साधा। कहा कि पिछले 30 सालों से हम छोटे भाई (नीतीश कुमार) और बड़े भाई (लालू यादव) की सरकार देखते रहे हैं। तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए प्रशांत बोले कि चाचा-भतीजा में भतीजे की व्यक्तिगत पहचान केवल इतनी है की वे लालू यादव के बेटे हैं। तेजस्वी यादव ने शिक्षा, खेलकूद या अन्य कोई सामाजिक कार्य या किसी भी क्षेत्र में ऐसा कोई काम नहीं किया।

निकाह, हलाला को अवैध घोषित करने की मांग

नई दिल्ली: शीर्ष अदालत ने मुसलमानों के बीच निकाह हलाला और बहुविवाह की संवैधानिक बैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई करते हुए संविधान पीठ बनाने की सहमति दे दी।

हम करेंगे पीठ का गठन- सीजेआई: सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने यह प्रश्न उठाया कि इस मामले पर पांच न्यायाधीशों की एक नई पीठ का गठन करने की जरूरत है, क्योंकि पिछली पीठ के दो न्यायाधीश इंदिरा बनर्जी और जस्टिस हेमंत गुप्ता रिटायर हो गए हैं, जिसपर मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'हम इस मामले पर एक बेंच का गठन करेंगे।

पांच न्यायाधीशों की पीठ से दो हुए सेवानिवृत:

मालूम हो कि इस मामले पर सुनवाई के लिए तीस अगस्त को पांच-न्यायाधीशों की पीठ बनाई गई थी।

मिलेट्स की घरेलू व वैश्विक खपत बढ़ाना हमारा उद्देश्य : तोमर

नई दिल्ली: केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि घरेलू और वैश्विक स्तर पर हमें मिलेट्स (मोटा अनाज) की खपत और उत्पादन दोनों बढ़ाने की जरूरत है। मोटे अनाज पोषक तत्वों से परिपूर्ण हैं। तोमर ने गुरुवार को सुषमा स्वराज भवन में उच्चायुक्तों और राजदूतों के बीच, अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष के प्री-लांचिंग उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक-अनाज वर्ष (आईवाईओएम) घोषित किया है। इसके माध्यम से मिलेट की घरेलू व

वैश्विक खपत बढ़ाना हमारा उद्देश्य है। यह वर्ष वैश्विक उत्पादन बढ़ाने, कुशल प्रसंस्करण और फसल रोटेशन के बेहतर उपयोग एवं फूड बास्केट के प्रमुख घटक के रूप में मिलेट को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों व अन्य हितधारक संस्थानों के साथ मिलकर मिलेट्स का उत्पादन और खपत बढ़ाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहा है। तोमर ने कहा कि मिलेट्स सूक्ष्म पोषक तत्वों, विटामिन व खनिजों का भंडार है। आईवाईओएम, खाद्य सुरक्षा व पोषण के लिए मिलेट्स के योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा व सतत उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिए हितधारकों को प्रेरित करेगा एवं अनुसंधान व विकास सेवाओं में निवेश बढ़ाने के लिए ध्यान आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मिलेट वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। मिलेट संतुलित आहार के साथ-साथ सुरक्षित वातावरण में भी योगदान देता है।

जामा मस्जिद में महिलाओं की अकेले एंट्री बैन

नई दिल्ली: दिल्ली की जामा मस्जिद ने महिलाओं की अकेले एंट्री पर बैन लगा दिया है। मस्जिद की दीवारों पर इस नोटिस की कॉपी लगा दी गई हैं, जिसके मुताबिक मस्जिद में लड़की या लड़कियों का अकेले आना मना है। यानी लड़कियों का ग्रुप भी मस्जिद के अंदर नहीं जा सकता है। इसे लेकर मस्जिद प्रशासन ने वजह बताई है कि अकेली लड़कियां मस्जिद में लड़कों को टाइम देकर मिलने बुलाती हैं। यहां डांस वीडियो बनाती हैं, हम इस पर रोक लगा रहे हैं। हालांकि, इस मसले पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मस्जिद को नोटिस जारी किया है।

मस्जिद प्रवक्ता बोले- धर्मस्थलों को पार्क समझने लगे हैं लोग: आदेश पर विवाद बढ़ने के बाद जामा मस्जिद के प्रवक्ता सबीउल्लाह खान ने सफाई दी है कि यह बैन उन महिलाओं पर लागू नहीं होगा जो परिवार या पति के साथ आती हैं। यह कदम मस्जिद परिसर में गलत हरकतों को रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं पर रोक नहीं लगाई गई है। परिवार या शादीशुदा जोड़ों पर कोई बैन नहीं है। जो लड़कियां यहां अकेली आती हैं।

केंद्र ने अरुण गोयल के अपॉइंटमेंट की फाइल सौंपी

बिजली की तेजी से फाइल क्लियर हुई, सवाल ईसी पर नहीं...प्रक्रिया पर: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने गुरुवार को चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के अपॉइंटमेंट की ओरिजिनल फाइल सुप्रीम कोर्ट को सौंपी। सुप्रीम कोर्ट सीईसी और ईसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने बुधवार को केंद्र से अपॉइंटमेंट की फाइल मांगी थी। फाइल देखने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा- चुनाव आयुक्त के अपॉइंटमेंट की फाइल बिजली की तेजी से क्लियर की गई। यह कैसा मूल्यांकन है। सवाल उनकी योग्यता पर नहीं है। हम अपॉइंटमेंट प्रोसेस पर सवाल उठा रहे हैं।

5 जजों की संवैधानिक बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा: संविधान पीठ के सामने हुई लंबी बहस के बाद बेंच ने इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस

केएम जोसेफ की अगुआई वाली बेंच में जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। दरअसल, 1985 बैच के आईएएस अरुण गोयल ने उद्योग सचिव पद से 18 नवंबर को वीआरएस लिया था। इस पद से उन्हें 31 दिसंबर को रिटायर होना था। गोयल को 19 नवंबर को चुनाव आयुक्त अपॉइंट कर दिया गया। वह मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय के साथ निर्वाचन आयोग का हिस्सा रहेंगे। इस नियुक्ति पर सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने एक याचिका दायर कर सवाल उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से इस मामले पर सुनवाई शुरू की है। गुरुवार को सुनवाई का तीसरा दिन है। कोर्ट सीईसी और ईसी की नियुक्ति की प्रक्रिया पर 23 अक्टूबर 2018 को दायर की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है। याचिका में कहा गया था कि सीबीआई डायरेक्टर या लोकपाल की तरह ही केंद्र एकतरफा चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति करता है। याचिका में इन नियुक्तियों के लिए कॉलेजियम सिस्टम की मांग की गई है।

बेटी का बिजनेस संभालने से इनकार, इसलिए बिसलेरी

मुंबई: सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड थम्स अप, गोल्ड स्पॉट और लिम्का को कोका-कोला को बेचने के लगभग तीन दशक बाद, रमेश चौहान बिसलेरी इंटरनेशनल को बेचने जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड बिसलेरी को 6,000-7,000 करोड़ रुपए में खरीद रहा है। बिसलेरी के चेयरमैन रमेश चौहान से बात की। चौहान ने कहा कि वह अपने पैकेज्ड पानी के कारोबार के लिए एक खरीदार की तलाश कर रहे हैं और टाटा कंज्यूमर सहित कई प्लेयर्स से बात कर रहे हैं। टाटा के साथ 7,000 करोड़ की डील अभी फाइनल नहीं हुई है।

बिजनेस बढ़ाने के लिए उत्तराधिकारी नहीं: 82 साल के चौहान का कहना है कि

बिसलेरी को विस्तार के अगले लेवल पर ले जाने के लिए उनके पास उत्तराधिकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि बेटी जयंती कारोबार में ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखती। बिसलेरी भारत की सबसे बड़ी पैकेज्ड वाटर कंपनी है। डील के तहत वर्तमान मैनेजमेंट दो साल तक जारी रहेगा।

टाटा ग्रुप बेहतर तरीके से बिजनेस बढ़ाएगा: इससे पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि चौहान ने कहा- टाटा ग्रुप मेरे बिजनेस की और भी बेहतर तरीके से देखभाल करेगा और आगे बढ़ाएगा। मुझे टाटा का कल्चर पसंद है, इसलिए अन्य खरीदारों के बावजूद मैंने टाटा को चुना। कहा जाता है कि बिसलेरी को खरीदने के लिए रिलायंस रिटेल, नेस्ले और डेनोन सहित कई दावेदार थे।

चौहान चैरिटी में लगाएंगे पैसा: चौहान ने कहा कि वह बिसलेरी में माइनॉरिटी स्टेक भी नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा कि बिजनेस को बेचने के बाद उन्हें कंपनी में माइनॉरिटी स्टेक होल्ड करने का कोई कारण नजर नहीं आता है।

बच्चों के कार्यक्रम में विस्फोट करना चाहता था शारिक

बेंगलुरु: मंगलुरु ऑटो ब्लास्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आरोपी मोहम्मद शारिक आरएसएस से जुड़े संगठनों द्वारा आयोजित बच्चों के कार्यक्रम में धमाके की फिराक में था। हालांकि, उसकी योजना फेल हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, जांच टीम को पता चला कि शारिक आरएसएस के अंतर्गत आने वाली केशव स्मृति संवर्धन समिति की तरफ से होने वाली राज्य स्तरीय बाल उत्सव कार्यक्रम में धमाका करना चाहता था। 19 नवंबर को संघनिकेतन में हुए इस कार्यक्रम में 10 हजार से ज्यादा लोग अपने बच्चों के साथ शामिल हुए थे। इस दौरान आरएसएस के कई नेता भी मौजूद थे। शारिक ने छात्र के भेष में कार्यक्रम में शामिल होने और धमाका करने की योजना बनाई थी।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में धमाका करना था मुख्य लक्ष्य: आरोपी से बरामद मोबाइल फोन से पता चला है कि 19 नवंबर को विस्फोट वाले दिन उसने मंगलुरु पहुंचने के बाद दो बार मन्नागुड्डा-गांधीनगर की लोकेशन सर्च की थी।

सूत्रों का कहना है कि खुफिया एजेंसियों ने पुष्टि की है कि आरोपी का मुख्य लक्ष्य मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के कार्यक्रम में विस्फोट करना था। मंगलुरु पहुंचने के लिए वो मैसूर से बस नहीं ले पाया, इसलिए उसका प्लान बदल गया। बाद में वो मंगलुरु दूसरी बस से पहुंच गया।

दिव्यांग बच्चों के समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला का किया गया आयोजन

बच्चों के अन्दर विशिष्ट क्षमता को निखारने में शिक्षकों की महती भूमिका-मुख्य विकास अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दिव्यांग बच्चो की समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु मंगलवार को जनपद स्तरीय कार्यशाला जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गयी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि ने कार्यक्रम की शुरूआत/शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा (समकित शिक्षा) द्वारा किया गया, जिसमे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री प्रवीण कुमार तिवारी ने आये हुए अतिथियों, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी गण, समस्त एस0आर0जी/ए0आर0पी0, एन0सी0सी0 कैडिट एवं एन0एस0एस0 कैडेट, नोडल शिक्षकों आदि का सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी श्री नन्द किशोर याज्ञिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी श्री आलोक सिन्हा,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 नानक सरन, सहायक वित एवं लेखाधिकारी समग्र शिक्षा श्री बी0के0 सिंह, रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री सौरभ पुरी, सचिव श्री अभिषेक वर्मा एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय श्री शिव औतार सहित सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। लायन्स क्लब के पदाधिकारी गण, प्रख्यात शिक्षाविद्जन,नागरिकसुरक्षा के अधिकारीगण द्वारा कार्यशाला को सम्बोधित किया गया। जनपद के सभी एस0आर0जी0, समस्त ए0आर0पी0, सभी स्पेशल एजुकेटर व दिव्यांग बच्चे उपस्थित रहे। सर्वप्रथम दिव्यांग बच्चों द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। एस0आर0जी0 वन्दना श्रीवास्तव, स्पेशल एजुकेटर श्रीमती करूणा राय, खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय एवं श्री विन्द्रेश कुमार मौर्य, जिला समन्वयक निर्माण द्वारा निर्धारित विषयों पर व्याखान दिया गया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिव्यांग बच्चों के अन्दर विशिष्ट क्षमता होती है, जिसे निखारने में शिक्षकों की महती भूमिका है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जनपद की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा राजीव त्रिपाठी द्वारा समर्थ एप ऐपलिकेशन व परियोजना से प्रदत्त विभिन्न डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन करते हुए विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया गया।

दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक/नृत्य कार्यक्रम किये गये जिन्हें अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत महक द्वारा, ह्यह्यदुल्हन चली पहन चली तीन रंगह्लह्ल गीत माही सिंह (एम0आर0) प्रा0वि0 मधवापुर नगर क्षेत्र द्वारा, ह्यह्यभांगड़ाह्लह्ल लकी भारतीय विकास खण्ड बहादुरपुर द्वारा तथा ह्यह्यहमकथासुनाते श्री राम कीह्लह्ल कृष्णा चैधरी व पुष्पिका पाण्डेय पू0मा0वि0 दारागंज नगर क्षेत्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री नारायण पटेल द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय द्वारा किया गया।

टैंकर दूध लदी पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

समीप मेजारोड। कोहडार मार्ग पर एक टैंकर दूध लदी पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे हड़कंप मच गया और ड्राइवर चुटहिल हो गया। सुचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और ड्राइवर को अस्पताल भिजवाया गया। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को क्षेत्र के उरुवा दूग्ध डेयरी केन्द्र से टैंकर दूध लदी पिकअप गाड़ी नारी बारी जा रही थी कि जैसे ही वह थाना क्षेत्र के बंधवा गांव के समीप मेजारोड - कोहडार मार्ग पर पहुंची ही थी कि बाइक सवार को बचाने के चक्कर में दूध से भरी पिकअप गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई।

गाड़ी पलटने से ड्राइवर चुटहिल हो गया। सूचना पर चौकी होते हुए नारी-बारी जा रही थी । प्रभारी मेजारोड रामभवन वर्मा मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को अस्पताल भिजवाया। उक्त दूध लदी पिकअप गाड़ी उरुवा दूग्ध डेयरी से दूध लेकर कोहड़ार

बस की टक्कर से नौ बच्चों के पिता की हुई मौत

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के सहसों अंदावा मार्ग पर गुरुवार की शाम तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार साले बहनोई को टक्कर मार दी। जिसमे साले की मौत हो गई बहनोई की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतक नौ बच्चो का पिता बताया जा रहा है। बहादुरपुर कछार निवासी शिव प्रसाद 40 गुरुवार को अपनी बहन के यहां मलावा गांव आया हुआ था शाम को शिवप्रसाद अपने बहनोई दूधनाथ 50 के साथ बाइक से बाजार खरीदारी करने आया था। लौटते वक्त सहसों से अंदावा की ओर आती हुई बस की चपेट में आ गया। जिसमे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को इलाज के लिए ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शिवप्रसाद को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है की शिवप्रसाद के 9 बच्चे हैं वह गैस गोदाम में हाकर का काम कर परिवार का पेट पालता था उसकी मौत की वजह से पत्नी पार्वती और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

नसीमा गैंग मामले में एसएसपी गोरखपुर का इलाबाद सिनमा में हलफनामा, अदालत ने 19 दिसंबर तक मांगी आपत्ति

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एसएसपी गोरखपुर ने नसीमा गैंग मामले में अनुपालन रिपोर्ट सहित व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल किया जिसपर कोर्ट ने 19 दिसंबर तक आपत्ति करने का अवसर दिया है। कोर्ट ने इस दौरान एसएसपी को धन उगाही के लिए आपराधिक न्याय प्रशासन का दुरुपयोग करने वालों पर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार तथा न्यायमूर्ति सैयद वैज मियां की खंडपीठ ने नफीसा और चार अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने इससे पहले एसएसपी से हलफनामा मांगा था कि क्या याची के खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोई साक्ष्य है। यदि है तो अब तक क्या कार्रवाई की गई है। जिसके बाद हलफनामा दाखिल किया गया।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्राधिकारी कैंट की 23 मई 2022 की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि गोरखपुर में नसीमा गैंग सक्रिय है जो फर्जी एफआइआर दर्ज कराकर लोगों से धन की उगाही कर रहा है। इसी मसले को लेकर याचिका दायर की गई है। याची नफीसा के खिलाफ आरोपों की सत्यता की जानकारी मांगी गई थी। यहां बता दें कि प्रयागराज में भी कुछ माह पहले दुष्कर्म के झूठे मामले लिखाकर धन उगाही करने वाली महिलाओं और उनके सहयोगियों की भूमिका की जांच सीबीआइ को हाई कोर्ट ने सौंपी थी।

बच्चों के खेल ग्राउंड समेत सार्वजनिक मार्ग पर भी पीएसी का पहरा

अखंड भारत संदेश

नैनी। बच्चों के सभी खेल ग्राउंड पर कब्जा करने के बाद 42 वी वाहिनी पीएसी के अधिकारियों ने श्रमिक बस्ती, नैनी के प्रमुख सार्वजनिक मार्ग पर भी पहरा लगा दिया है। आज सवेरे इस मार्ग पर लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई । श्रमिक बस्ती मानस पार्क चौराहे से हनुमान मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य सार्वजनिक मार्ग पर आम जनता के वाहनों को रोकने के साथ ही पैदल आने जाने वाले लोगों को भी नहीं जाने दिया गया । इससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा । श्रमिक कल्याण समिति के सचिव विनय मिश्र ने पीएसी के अधिकारियों की इस कार्यवाई की निंदा करते हुए कहा है कि श्रमिक बस्ती का निर्माण नैनी के मजदूरों के लिए किया गया थ। यहां के मजदूरों के बच्चों के लिए कई खेल ग्राउंड बनाए गए थे । कॉलोनी के 300 कमरों और बच्चों के सभी खेल प्रयागराज से मांग की है कि राजकीय श्रम हितकारी केंद्र से पीएसी का कब्जा हटाया जाए और लोगों के आने जाने वाले सार्वजनिक मार्ग को बंद न किया जाए । श्रमिक बस्ती के निवासियों को उनके आवासों का मालिकाना हक देने, श्रमिक बस्ती से पीएसी को हटाने की मांग को लेकर आगामी 4 दिसंबर को श्रमिक बस्ती में बस्ती के निवासियों की सभा होगी । सरकार ने यदि संबंध में कार्यवाही नहीं की तो आगे चलकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है । पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री हेमवती नंदन बहुगुणा जी ने पीएसी को श्रमिक बस्ती से हटाए जाने के लिए श्रम विभाग के अधिकारियों को आदेश भी दिया था । लेकिन इस आदेश पर कोई कार्यवाही नहीं हुई । पीएसी को हटाने के लिए लोग यहां आंदोलन भी कर रहे हैं।समिति के सचिव मिश्र ने कहा है कि पीएसी वाहिनी को सुदूर ऐसे स्थान पर स्थापित किया जाए । जहां पर्याप्त स्थान हो । श्रमिक बस्ती में रहने के कारण इनके पास आए दिन जगह की कमी होती रहेगी और ये लोगों के सार्वजनिक पार्कों, मकानों पर कब्जा करने का प्रयास करते रहेंगे।

कोरांव पुलिस ने 4 अभियुक्तों को भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/प्रयागराज। क्षेत्र के अपराधियों पर कोरांव पुलिस का हंटर चला है। जिसके क्रम में 3 नफर जहां वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया वही 1 नफर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। जिन वारंटी अभियुक्तों को जेल भेजा गया उनमें राजकुमार पुत्र गया प्रसाद निवासी श्रीनगर पथरताल थाना कोरांव, सूर्य लाल चमार पुत्र छविराम उर्फ मोतीराम निवासी ग्राम खजुरी कला थाना कोरांव व आजाद कुमार पुत्र रामकरन निवासी ग्राम बैदवार थाना कोरांव शामिल हैं। इसी प्रकार एक वांछित अभियुक्त सुशील कुमार शुक्ल पुत्र रजनीश प्रसाद शुक्ल निवासी ग्राम गजाधरपुर थाना कोरांव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। यह कार्यवाही उच्चाधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह के निर्देशन में की गई है। उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक वंश नारायण सिंह यादव, उपनिरीक्षक अवधेश कुमार यादव, कांस्टेबल राहुल ओझा, हेड कांस्टेबल आशुतोष सिंह, कांस्टेबल आशीष सिंह शामिल रहे।

प्रयागराज में डाक्टर के फ्लैट में मिली महिला केयरटेकर की लाश, कत्ल की आशंका

प्रयागराज। रामबाग चौराहे के पास डाक्टर के फ्लैट में गुरुवार शाम 35 वर्षीया महिला की सड़ी-गली लाश मिली। इससे लोगों में सनसनी फैल गई। इसका पता तब चला जब आसपास के फ्लैट में रहने वालों को दुर्गंध महसूस हुई। कोतवाली पुलिस चैनल काट और दरवाजा तोड़कर भीतर दाखिल हुई। महिला के शरीर पर कपड़ा नहीं था। लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। डाक्टर ने महिला को फ्लैट में केयरटेकर के तौर पर रखा था। वहीं, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की असल वजह सामने आने की बात कही है।

जालसाजी और फ्राड करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से भुक्तभोगियों में असंतोष

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। विगत पांच अक्टूबर को ए डी जी ने अपने कार्यालय में मऊआइमा के एक जालसाज के सरगना को गिरफ्तार करा कर मऊआइमा पुलिस को सौंप दिया था। भुक्तभोगियों ने सोलह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया था। पुलिस ने सरगना को जेल भेजने के बाद आज तक शेष बचे पन्द्रह आरोपियों की गिरफ्तारी न करने पर भुक्तभोगियों में आक्रमण व्याप्त है। सभी ने उच्च अधिकारियों से गिरफ्तारी की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा कस्बा के कजियाना कलां पानी की टंकी निवासी आमिर महमूद ने एक गिरोह बना कर एक जमीन को दो से तीन बार बैनामा किया और किसी को कब्जा नहीं मिला।

यही नहीं मदरसा मोहम्मदिया के शिक्षकों को फर्जी मुकदमा में फंसा कर जेल भेजने की धमकी देकर बीस हजार रुपये हर महीना रंगदारी वसूलता था। आरोप है कि एक दर्जन बेगुनाहों को फर्जी मुकदमा दर्ज करा कर जेल भेज चुका है। जिससे आमिर महमूद गैंग के खिलाफ मोहम्मद उमर ,रिजवान अहमद,रईस अहमद ने गैंग के सरगना आमिर महमूद सहित पन्द्रह के खिलाफ जालसाजी एंव रंगदारी मांगने के आरोप में मुकदमा दर्ज करा दिया था। आमिर महमूद के अलावा मऊआइमा पुलिस आज तक शेष बचे पन्द्रह आरोपियों को गिरफ्तार न करने से भुक्तभोगियों में असंतोष व्याप्त है। तथा आला अधिकारियों से गिरफ्तारी की मांग की है ।

प्रयागराज के आजाद पार्क में सेहत के लिए फायदेमंद ड्रैगन फ्रूट के पौधे तैयार, दिसंबर से होगी बिक्री

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जेएनएन। राजकीय उद्यान शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में प्रतिदिन हजारों लोग मार्निंग और इवनिंग वाक के लिए आते हैं। इसके अलावा परिवार के साथ कई लोग पिकनिक मनाने भी पहुंचते हैं लेकिन अब यहां पर सेहत बनाने वाले पौधों की बिक्री होगी। शहर का दिल कहे जाने वाले शहीद चंद्रशेखर आजाद में जल्द ही ड्रैगन फ्रूट के पौधों की बिक्री शुरू हो जाएगी। इसकी नर्सरी तैयार कर ली गई है। दिसंबर से बिक्री की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। आजाद पार्क में ड्रैगन फ्रूट के पौधों की बिक्री 40 से 50 रुपए में की जाएगी। पिछले वर्ष यहां पर नर्सरी डाली गई थी। आजाद पार्क में पहली बार ड्रैगन फ्रूट के पौधों की बिक्री की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि माफियाओं के अवैध कब्जे से मुक्त भूमि पर गरीबों के लिए मकान बन रहे हैं।

प्रबुद्धजन सम्मेलन में सीएम योगी ने बखानी प्रयागराज की महिमा, कहा- कराह रहे विकास को बंधक बनाने वाले माफिया

आजाद में ड्रैगन फ्रूट के पौधों को तैयार कर लिया गया है। दिसंबर से बिक्री शुरू हो जाएगी। छह माह में पौधों को तैयार किया गया है। पहली बार आजाद पार्क में पौधे की बिक्री की जाएगी।

उमेश चंद्र उत्तम, अधीक्षक, आजाद पार्क

उग्रसेनपुरः डंफर की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। पहलवान वीर बाबा उग्रसेनपुर के समीप बनगांव तरहठी सड़क से लोढ़ी डीह जा रहे युवक को डंफर ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मछली शहर निवासी जितेंद्र प्रजापति 25 वर्ष गुरुवार को करीब 10 बजे अपने मामा के घर लोढ़ी डीह उग्रसेनपुर जा रहा था मामा के घर से करीब एक किलोमीटर पूर्व पहुंचा ही था कि पहलवान वीर बाबा हनुमान मंदिर के ठीक सामने जंघई की तरफ से जा रही डंफर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जितेंद्र काफी दूर तक बाइक के साथ घिसकर चला गया जिससे उसके दाहिने पैर में फैक्चर हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने 112 पुलिस को सूचना दिया और पुलिस की सूचना पर 108 एंबुलेंस पहुंची और घायल जितेंद्र की प्रतापपुर सीएचसी लेकर गई जहां इलाज जारी है परिजनों एवं मामा के घर पर सूचना हुई तो रोते बिलखते पहुंचे।

कोराव पुलिस ने चार अभियुक्तों को भेजा जेल

कोरांव/प्रयागराज। थाना पुलिस कोरांव ने अलग अलग मुकदमों के वांछित चार मुलजिमों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना कोराव में दर्ज मुकद्दमा अपराध संख्या 497/2022धारा 363,366आईपीसी व एससीएसटी एक्ट के नामजद गिरफ्तार अभियुक्त सुशील कुमार शुक्ल पुत्र रजनीश ग्राम गजाधर पुर को गोपाल विद्यालय के पास से गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह राजकुमार पुत्र गया प्रसाद ग्राम पथरताल एवम सूर्यलाल पुत्र छविराम ग्राम खजूरी को तथा आजाद पुत्र रामकरण निवासी बैदवार कोराव को चोरी आदि केस में वांछित होने पर गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी थाना प्रभारी कोराव धीरेंद्र सिंह के निर्देशन में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। जिससे हरकम्प मच गया। इसी प्रकार वहां चेकिंग अभियान में कई वाहनों का चालान किया गया।

इलेक्ट्रिक अउ बस से दुल्हन के घर जा सकेंगे बाराती, प्रयागराज में 37 बसों में बुकिंग की दी गई सुविधा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। परिवहन विभाग की लग्जरी इलेक्ट्रिक बसों से अब बाराती दुल्हन के घर जाते नजर आएंगे। ऐसा होगा विभाग की नई योजना से जिसके तहत कोई भी व्यक्ति शादी के लिए इलेक्ट्रिक बस की बुकिंग कर सकेगा। इससे शादी तो खास बनेगी ही, वातानुकूलित और बिना आवाज वाली इस शानदार बस की सवारी का लुत्फ भी बाराती उठा सकेंगे।

बारातियों को ले जाने के लिए परिवहन विभाग ने बुकिंग रेट और नियमावली जारी कर दी है। प्रयागराज में 39 इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से यह सुविधा प्रदान की जाएगी। जिन्हें इलेक्ट्रिक बस शादी के लिए बुक करनी है वह इसके लिए शादी का कार्ड संलग्न करते हुए आवेदन करेंगे। निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद उन्हें बस मिल जाएगी।बसें 12 घंटा व 24 घंटा के दो शिफ्ट में बुक हो सकेंगी। इसमें 12 घंटे के लिए 180 किमी के आधार पर 12784 रुपये देय होगा। बुकिंग के समय इस शुल्क का 25 प्रतिशत प्रतिभूति राशि 3196 रुपये भी जमा करना होगा। यानी बुकिंग के समय कुल 15980 रुपये जमा होंगे। इसमें प्रतिभूति राशि बाद में वापस हो जाएगी। सिटी ट्रांसपोर्ट लिमिटेड के निदेशक एमके त्रिवेदी ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों को शहर के अंदर ही बारात ले जाने के लिए बुक किया जा सकता है। नैनी में चार्जिंग स्टेशन है ऐसे में एक निर्धारित दूरी तय करने के बाद बस को वापस चार्जिंग स्टेशन ले जाना होगा। ट्रायल के तौर पर प्रयागराज में इस सुविधा की शुरूआत की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने 1295 करोड़ रुपए की 284 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास व प्रबुद्धजन सम्मेलन को किया सम्बोधित

मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए चेक और आवास की चाभी

लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यो से प्रयागराज के विकास को मिलेगी गति

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गुरूवार को आस्था, शिक्षा और प्रगति के संगम तीर्थराज प्रयागराज के परेड ग्राउण्ड में 1295 करोड़ रुपए की 284 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास एवं प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, आवास की चाभी प्रदान की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रबुद्धजन सम्मेलन में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग सम्पूर्ण भारतवासियों की आस्था का प्रतीक है। द्वादश माधव तीर्थराज प्रयाग की शोभा बढ़ा करके इसे तीर्थों में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाते है। उन्होंने कहा कि जब कुम्भ की बात आती है, तो सभी का ध्यान प्रयागराज की ओर स्वतः ही चला जाता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में अक्टूबर 2018 में कुम्भ के ठीक पहले प्रयागराज को उसका पुरातन नाम वापस प्राप्त हुआ। दुनिया का पहला गुरूकुल महर्षि भारद्वाज मुनि का आश्रम यहीं पर है और सरकार द्वारा उनकी भव्य प्रतिमा जो यहां पर स्थापित की गयी है, यह भी हमें गौरव की अनुभूति कराती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में मुख्य महोत्सव को सम्बोधित करते हुए पंचप्रण की बात कहीं थी। उन्होंने विकसित भारत, विरासत के सम्मान, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, एकता और एकीकरण तथा नागरिकों के कर्तव्य पालन के पंच प्रण का संकल्प लिया था। अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण का कार्य हो या काशी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का कार्य या प्रयागराज का ऐतिहासिक कुम्भ हो, ये सभी उसी परम्परा के हिस्से है। जिस सुव्यवस्था, सुरक्षा और स्वच्छता के लिए प्रयागराज कुम्भ-2019 जाना गया, उससे भी दिव्य एवं भव्य आयोजन के साथ महाकुम्भ-2025 का आयोजन कराया जायेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां पर 1295 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास हुआ है, इससे प्रयागराज के विकास को और गति मिलेगी। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत प्रयागराज में अनेक कार्य हुए है और लगातार अनेक कार्य कराये जा रहे है। ग्रामीण क्षेत्र में हर घर जल योजना के अन्तर्गत नल से पानी पहुंचाने की योजना पूरी हो रही है, इससे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगो को घर पर ही पीने का साफ पानी नल के माध्यम से उपलब्ध हो रहा है। अमृत योजना के अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में भी पीने का साफ पानी उपलब्ध करा रहे है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार आम-जनमानस की सुविधा के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है तथा प्रयागराज के विकास के लिए प्रबुद्धजनों द्वारा दिए गए सुझावों का सरकार स्वागत करेगी। सरकार, युवाओं के स्वावलम्बन व स्वरोजगार के लिए ईमानदारी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास के क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न करने वाले माफियाओं के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी जा रही है। आज माफियाओं, भ्रष्टाचारिओं के अवैध कब्जे वाले जमीनों को मुक्त कराकर वहां पर गरीबों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, चिकित्सकों के लिए आवास का निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज अभ्युदय योजना के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज परीक्षाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित कराया जा रहा है, जो भी इसमें रूकावट डालेगा, उसके साथ सख्ती से निपटते हुए कठारेतम कार्रवाई की जायेगी।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रयागराज की पावन धरती पर आज प्रबुद्धजनों का कुम्भ हो रहा है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में देश व प्रदेश, विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पात्र व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराये गये है। कहा कि सरकार की यह प्राथमिकता है कि कोई भी गरीब व्यक्ति ऐसा न रह जाये, जिसके पास अपनी छत न हो। मुख्यमंत्री जी ने भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य किया है, जिससे आम-जनमानस को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश ही नहीं बल्कि प्रयागराज का भी चैहुमुखी विकास हुआ है। आज प्रयागराज विकास की नई ईबारत लिख रहा है। उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आने वाले महाकुम्भ-2025 को कुम्भ-2019 से भी भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज गरीब को आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, पानी व बीमारी के इलाज की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। केन्द्र व प्रदेश सरकार हर गरीब पात्र व्यक्ति तक इन सुविधाओं को पहुंचा रही है। प्रयागराज के विकास के साथ ही प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों का भी विकास हो रहा है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रयागराज एक ऐतिहासिक पावन धरती है। इस धरती को मैं शीश झुकाकर नमन करता हूं। कहा कि देश व प्रदेश की सरकार आमजनता व गरीबों के लिए ईमानदारी के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत का विश्व में सम्मान बढ़ा है। आज डबल इंजन की सरकार होने से योजनाओं को गरीबों तक पहुंचाने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं को धरातल पर उतारने में व प्रदेश के अन्तिम व्यक्ति तक उसका लाभ दिलाने में प्रदेश अग्रणी रहा है। प्रदेश में माफिया राज को ध्वस्त कर उनकी कमर तोड़ दी गयी है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश के लॉ एण्ड आर्डर की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा ग्लोबल इंवेर्स्टस समिट का आयोजन किया जा रहा है।कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने अपने सम्बोधन में मुख्यंमंत्री जी का प्रयागराज की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे है। प्रदेश के अंतिम गांव तक विकास की रोशनी पहुंचे, अन्तिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह मुख्यमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जाति, मजहब, क्षेत्र से ऊपर उठकर सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ कार्य किया है, जो जमीन पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भ्रष्टाचार मुक्त कानून व्यवस्था आज पूरे देश के लिए मिसाल बनी है एवं माफियाओं पर आज मुख्यमंत्री जी के सुशासन का बुल्डोजर चल रहा है। मुख्यमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में 2017 से 2022 तक उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बना है, अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।सांसद इलाहाबाद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री जी ने प्रबुद्धजन सम्मेलन में सम्मिलित होकर प्रबुद्धजनों का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए भविष्य के लिए उपयोगी बताया है। कहा कि मातृ भाषा में संवाद, मातृ भाषा में शिक्षा प्राप्त करना एवं कौशल विकास के साथ शिक्षा प्राप्त करना आने वाले समय में बहुत ही उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में पूरी दुनिया को रास्ता दिखायेगा। सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रयागराज की धरती से बहुत से प्रबुद्धजन आगे बढ़े है, जो हर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में विकास के जो कार्य हुए है, उससे आज व कल के भारत में अंतर स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रयागराज में बहुत से विकास के कार्य कराये गये है और कराये जा रहे है। सांसद भदोही रमेश चन्द्र बिंद ने प्रयागराज की धरती पर मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश नई ऊंचाईयों को छू रहा है।इस अवसर पर महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, निर्मला पासवान, के0पी0 श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव, प्रभारी ओमकार केसरी, महानगर अध्यक्ष भाजपा गणेश केसरवानी, गंगापार एवं यमुनापार के अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

राजधानी एक्सप्रेस पर अराजकतत्वों ने फेंके पत्थर, एक यात्री घायल

प्रयागराज। नई दिल्ली से भुवनेश्वर जा रही राजधानी एक्सप्रेस पर अराजकतत्वों ने ईंट-पत्थर फेंक एक कोच का शीशा तोड़ डाला। मेजा के विसहिजन कला और लखनपुर गांव के बीच अराजकतत्वों ने बीती रात को घटना अंजाम दिया। पथराव में एक यात्री घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई।इस कारण करीब 15 मिनट तक ट्रेन को रोकना पड़ा। इसके बाद घायल यात्री को मिजार्पुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर आरपीएफ मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। आरपीएफ के इंस्पेक्टर भरत भूषण तिवारी ने घटना से अनभिज्ञता जताई है। उन्होंने बताया कि गिट्टी उछल कर शीशे से टकराई थी, जिससे एक कोच का शीशा टूट गया था।धीमी गति से जा रहीं ट्रेनों में सवार यात्रियों पर होता है हमला, छीने जाते हैं मोबाइलदिल्ली-हावड़ा रूट पर विसहिजन खुर्द गांव के पास आए दिन ट्रेन यात्रियों के साथ मोबाइल छिनैती की घटना होती रहती है। ट्रेन में खिड़की की तरफ बैठे यात्री अगर फोन पर बात करते दिख गए तो बदमाश उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल देते हैं। ऐसे में मोबाइल बाहर गिर जाता है और ट्रेन आगे बढ़ जाती है। विसहिजन खुर्द के पास ज्यादातर ट्रेनें धीमी गति से निकलती हैं। जिसका फायदा बदमाश उठाते हैं।

कलयुग केवल नाम अधारा... आचार्य श्रीनिवास

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के चकिया घरहरा गांव स्थित डॉ. बृजनारायण पांडे के संयोजन में चल रही सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा के दूसरे दिन कथा व्यास आचार्य डॉक्टर श्रीनिवास त्रिपाठी ने भक्ति, ज्ञान वैराग्य का वर्णन करते हुए बताया कि कलयुग में श्रद्धा भक्ति से ही मोक्ष प्राप्ति का सुगम मार्ग है।

देवर्षि नारद ने तीनों युगों सतयुग, त्रेता, द्वापर का भ्रमण करते हुए कलयुग में यमुना नदी के तट पर पहुंचे जहां पर भक्ति देवी ने ज्ञान और वैराग्य के साथ चिंतित और दुखी मन से बैठी हुई थी। जिस पर नारद ने भक्ति से कहा देवी सतयुग त्रेता तथा द्वापर युग में ज्ञान और वैराग्य मुक्ति का साधन था परन्तु आज इस कलयुग में परमात्मा का सच्चा प्रेम भक्ति ही मनुष्य के

मोक्ष का सुगम मार्ग है। कथा व्यास ने कहा ₹कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरे पारा₹ कलयुग में परमात्मा को प्रेम भक्ति व भगवान नाम संकीर्तन से अपने वश में किया जा सकता है। गोपियां इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। कथा व्यास ने कहा प्रभु स्वयं कहते हैं कि मैं भक्तों के अधीन हूं ₹भगत के वश में हैं भगवान₹ इसलिए सच्चे मन व श्रद्धा से की गई भक्ति ही मनुष्य का मुक्ति का साधन है। पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भक्त श्रोताओं को कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास ने कहा श्रीमद्भागवत का अर्थ होता है भगवान के भक्त अर्थात सच्ची भक्ति करने से ही परमात्मा की कृपा बरसेगी तथा घर में सुख समृद्धि के अतिरिक्त परिवार में शांति, सौहार्द, प्रेम, एकजुटता आएगी तथा सभी का कल्याण हो जाएगा। कथा के विश्राम पर मुख्य यजमान डॉ श्याम नारायण पांडे व धनराजी देवी ने व्यासपीठ तथा मंडप में आवाहित देवी देवताओं की आरती उतारी तत्पश्चात प्रसाद का वितरण कराया। इस अवसर पर इंद्र नारायण पांडे, शिव नारायण पांडे, चिंतामणि शुक्ला, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी, गणेश वल्लभ, धनंजय शाश्वत, बालकृष्ण ओझा, लक्ष्मी कांत पांडे, अजय पांडे, देवी शंकर गुप्ता, तेज प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में भक्तों ने कथा का रसपान किया।

सीएम को ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेसी हिरासत में

अखंड भारत संदेश

नैनी। पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ज्ञापन देने जा रहे आधा दर्जन कांग्रेसियों को गुरुवार की सुबह हिरासत में ले लिया और देर रात तक थाने में बिठाए रखा। पुलिस सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहती थी इसलिए मिजार्पुर राजमार्ग पर कॉटन मिल तिराहे से पकड़ लिया गया। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के शहर में आगमन को देखते हुए कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर ज्ञापन देने के लिए कॉटन मिल तिराहे पर इकट्ठा हुआ थे तभी पुलिस वहा पहुंची और सभी को थाने ले आई। हिरासत में लिए गए लोगो में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र तिवारी,आयुष मिश्र,अमन पांडे,शजादुल हक,अनिमेष तिवारी,सत्यम मिश्र और प्रांजल शामिल है।

पाइप लाइन डालने के लिए तोड़ी जा रही है छतनाग घाट की सीढ़ियां, आक्रोश

अखंड भारत संदेश

झूंसी। क्षेत्र के छतनाग पक्के घाट को पाइप लाइन डालने के लिए तोड़ा जा रहा है जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो तोड़ रहे लेबर मजदूर वहां से भाग खड़े हुए। कुम्भ मेला के दौरान करोणों की लागत से छतनाग में पक्के घाट का निर्माण कराया गया था।

गंगा स्नान को आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत व सौंदर्यीकरण के लिए गंगा किनारे किनारे पक्के घाट और सीढ़ियां बनाई गई। जिसमें झूंसी के छतनाग में भी करोड़ों की लागत से पक्के घाट का निर्माण कराया गया था जिसे अब सीवर लाइन बिछाने के लिए तोड़ा जा रहा है। जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे है। छतनाग निवासी अंगद यादव ने बताया कि घाट पर तोड़ फोड़ से स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ेगा वही काम करा रहे ठेकेदार से जब यह जानकारी ली गई की पाइप लाइन बिछाने के बाद

क्या इसे इसी तरह दुरुस्त करा दिया जाएगा तो वह कोई जवाब दिए बगैर और अपने लेबरों के साथ वहां से खिसक गया।

मेजा पुलिस ने 7 वारंटियों को किया गिरफ्तार

मेजा रोड। मेजा पुलिस के कई दरोगा व पुलिसकर्मियों ने मिलकर सात वारंटियों को गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्रवाई किया।बता दें कि गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक मेजा ज्ञानेश्वर मिश्र के नेतृत्व मे चौकी प्रभारी मेजारोड रामभवन वर्मा, चौकी प्रभारी सिरसा जगदीश कुमार, चौकी प्रभारी जेवनिया प्रदीप अस्थाना, दरोगा परलोक चौधरी व दरोगा निलेश मौर्य ने हमराही पुलिसकर्मियों के साथ सात वारंटी प्रेम शर्मा पुत्र जगनारायण शर्मा निवासी समहन थाना मेजा, हरीश्चंद्र पुत्र सिपाही पासी निवासी सोनाही थाना मेजा,चंद्रभान पासी व राम बहारे पुत्रगण रामलखन पासी निवासीगण नीवी भटान थाना मेजा, भीखू पासी पुत्र राजकन पासी निवासी चंदापुर थाना मेजा व वकील पटेल उर्फ राजबहादुर पुत्र अमृतलाल निवासी रामपुर (कठौली) थाना मेजा को गिरफ्तार किया। कोतवाल ने बताया कि उक्त लोगों के खिलाफ लिखापढ़ी कर अगली कार्रवाई की गई।

पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर सोरांव मेजारोड मे प्राण प्रतिष्ठा के साथ आयोजित विविध बैदिक कार्यक्रमों के दौरान बुद्धवार को मंदिर का उद्घाटन करने पहुंची मेजा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने प्राण प्रतिष्ठित सभी मूर्तियों की पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिव पार्वती सहित समस्त ईश्वरीय शक्तियों को वैदिक काल से ही पूज्यनीय माना जाता है।आज इस मंदिर के उद्घाटन एवं पूजा का सौभाग्य मिला है। जिससे हम ईश्वरीय शक्तियों को प्रणाम करते है। इस दौरान उन्होंनेश्री नर्मदेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा के बाद स्थापित होने वाली सातों मूर्तियों की पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम के संचालक शारदा प्रसाद केसरवानी,सिकंदर यादव, राजेश द्विवेदी ग्राम प्रधान,सुभम केशरी,नाथू गुप्ता जिला मंत्री, जितेंद्र शुक्ल,मुकेश शुक्ला, दादा शुक्ल, राज शुक्ल, चंचल शुक्ल,

श्लोक शुक्ला,सूरज पांडेय,आकाश तिवारी,राहुल दुबे,मनीष पांडेय, अवनीश कुमार,राहुल मिश्र,आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस चौकी के सामने खड़ी बाइक पर से कांग्रेस प्रवक्ता हसीब अहमद का बैग चोर ने उड़ाया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पत्थर गिरजा घर स्थित धरनास्थल पुलिस चौकी के ठीक सामने बाइक खड़ी कर किसानों के मुद्दे पर प्रदर्शन में शामिल होने पहुँचे हसीब अहमद का बैग चोरो ने उड़ा दिया। बैग में जरूरी दस्तावेजों के आलावा बैंक की चेक बुक, आईडी और व्यापार सम्बन्धित कागजात रखे थे। इस प्रकरण पर कांग्रेस प्रवक्ता की ओर से सिविल लाइन्स थाने में तहरीर दे दी गई है।

अपहरण व सामूहिक दुष्कर्म के चार आरोपियों को 20-20 वर्ष का कारावास

सभी आरोपियों के ऊपर लगा अर्थदण्ड का जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने अपहरण व सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाते हुए चार आरोपियों को 20-20 वर्ष का कारावास की सजा सुनाई तथा सभी आरोपियों को अर्थदण्ड से दण्डित किया। बता दें कि सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी अब्दुल्ला, तनसीर, सुतगण जुम्मन व साजिद निवासी रामपुर वैशपुर थाना मांधाता को न्यायालय ने 20 वर्ष के कारावास व तीस हजार रूपया अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड की राशि पीड़िता को उसके चिकित्सा एवं मानसिक आघात की पूर्ति एवं पुनर्वास हेतु प्रदान की जाएगी। वादी मुकदमा ने 28 सितंबर 2014 को थाना मांधाता में प्रार्थना पत्र दिया कि 27 सितंबर 2014 को शाम सात बजे उसकी लड़की जो शौच के लिए घर से बाहर गई थी, वहां से साजिद अली, अब्दुल्ला, तस्वीर, जुम्मन बहला- फुसला कर भगा ले गए। पीड़िता जब बरामद हुई तो उसने बताया कि उसके साथ प्रधान खलील अहमद, तनसीर, अब्दुल्ला व साजिद ने जबरदस्ती बलात्कार किया है। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक देवेंद्र त्रिपाठी ने की।

उधर दूसरे मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने इकबाल निवासी संग्रामपुर थाना कोतवाली नगर को नाबालिक को उसके घर में घुसकर डरा धमका कर घर से बाहर ले जाकर दुष्कर्म करने की आरोप में दोषी पाते हुए बीस वर्ष के कठोर कारावास तथा तीस हजार रूपया अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड की राशि पीडिता को उसके चिकित्सीय एवं मानसिक आघात की पूर्ति तथा उसके पुनर्वास हेतु प्रदान की जाएगी। वादिनी मुकदमा ने 20 अगस्त 2014 को प्रार्थना पत्र दिया कि 20 अगस्त 2014 रात 11 बजे वह और उसकी मां आगन में सो रही थी तभी अभियुक्त शकीब व इकबाल दीवाल फांदकर पर उसके आंगन में आ गए और शकील मेरा मुंह दबा लिया और इकबाल ने मेरे ऊपर तमंचा लगा लिया और मुझे घसीट कर बाहर ले जाने लगा तब मेरी मां जग गयी तब सहवान व जुलिफकार पीछे की दीवाल, फांदकर गंज अन्दर आ गए और मेरी मां का मुंह दबा दिया और कहा कि शोर मचाओगी तो गोली मार दूंगा शकील व इकबाल मुझे घसीट कर दरवाजे के रास्ते अमरूद के पेड़ के नीचे ले गए वहां इकबाल ने मेरे साथ बलात्कार किया और धमकी दी कि किसी से बताओगे तो गोली मार दूंगा। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक अशोक त्रिपाठी व देवेश चंद्र त्रिपाठी ने की।

जान से मारने की धमकी देने वाले को 10 वर्ष का कारावास

अखंड भारत संदेश

प्रतपगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने राम नरेश पटेल थाना कुंडा को दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दोषी पाते हुए 10 वर्ष के कारावास पच्चीस हजार रूपया अर्थदंड से दंडित किया। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक देवेश चंद्र त्रिपाठी व अशोक त्रिपाठी ने की।

अनियंत्रित होकर पलटी पिकप, सात घायल

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज-लखनऊ नेशनल हाइवे पर गुरुवार को दर्शन कर लौट रहे पिकप गाड़ी के अनियांत्रित होने से सवार सात लोग घायल हो गए जिनको मौके पर पहुची मानिकपुर पुलिस उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर भेजा। बताया जाता है कि पिकप गाड़ी में सवार यात्री कड़ा से दर्शन कर ऊँचाहार जा रहे थे कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के चैरही मोड़ के दो सौ मीटर की दूरी पर अनियन्त्रित हो गई जिसमें सवार ब्रजेश कुमार पुत्र धनराज (40) वर्षीय मिया का पुरवा ऊँचाहार, सुषमा पत्नी अनूप कुमार (28) वर्षीय मिया का पुरवा ऊँचाहार, आशा पत्नी समरजीत (35) वर्षीय मिया का पुरवा ऊँचाहार, आशीष कुमारी पुत्री रामजीत (26) वर्षीय मियां का पुरवा, फुलमली पुत्री पट्टू (25) वर्षीय, बाबूगंज ऊँचाहार निवासी, आरती पुत्री हरकेश(18) वर्षीय बाबूगंज ऊँचाहार निवासी, शालिम पत्नी ब्रजेश (25) वर्षीय मिया का पुरवा ऊँचाहार निवासी घायल हो गये। मौके पर पहुचे मानिकपुर थाना प्रभारी मनीष कुमार पांडेय ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी कालाकांकर भेजा, जहाँ चिकित्सको ने सभी घायलों को उपचार करके छुट्टी दे दिया।

तीन के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मारपीट तथा गालीगलौज व धमकी का केस दर्ज किया है। लालगंज के बीजूमऊ निवासी सुनील सरोज पुत्र नंदलाल ने दी गई तहरीर मे कहा है कि राजापुर रानीगंज कैथौला के बंटी पुत्र छेदीलाल सरोज, श्रीरामपुर के बुद्धराम सरोज के पुत्र जयेन्द्र सरोज तथा इसी गांव के जगदीश के पुत्र पंकज सरोज एकराय होकर बीस नवंबर को रात दस बजे उसे लाठी डंडे से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपियो ने गाली देते हुए जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बुधवार की रात सुनील समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है।

घर से विवाहिता अबोध बेटी को छोड़कर हुई गायब

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पांच साल पहले शादी के बाद एक विवाहिता घर से अपनी दो साल की बेटी को छोड़कर अचानक गायब हो गई। पीड़ित पति ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के मरियमपुर गांव का रहने वाला राकेश कुमार गौड़ ने बताया कि पांच साल पहले उसकी शादी सुल्तानपुर जनपद के उमरपुर गांव की रहने वाली काजल के साथ हुआ था। उसकी एक दो साल की बेटी भी है। दो दिन पहले विवाहिता अपने दो वर्षीय बेटी को छोड़ कर घर से कहीं गायब हो गई। काफी खोजबीन करने के बाद जब विवाहिता नहीं मिली तो पीड़ित पति ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायत पत्र देकर उसके गायब होने की सूचना दी है।

मेडिकल कालेज के आरोपी डाक्टर को क्लीन चिट

मेडिकल कालेज की दो सदस्यीय टीम कर रही थी घटना की जांच

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मेडिकल कालेज परिसर में जूनियर डाक्टर अंकित श्रीवास्तव की पिटाई के मामले में उकसाने के आरोप में फंसे कालेज के डाक्टर राहुल सैनी को घटना की जांच कर रही टीम ने क्लीन चिट दे दी है। टीम ने रिपोर्ट में लिखा है कि घटना के समय राहुल मौके वारदात पर नहीं थे। प्रिंसिपल ने जांच रिपोर्ट एसपी को भेज दी है।

बता दें कि डाक्टर अंकित श्रीवास्तव ने कोतवाली में अपने साथ हुई मारपीट की घटना की एफआईआर लिखवाई है। जिसमें उन्होंने वार्ड ब्वाय शिवदीप उर्फ गोरे शर्मा पर डंडे से पीटने और दस हजार रूपए की रंगदारी

जेआर की पिटाई में उकसाने का लगा था आरोप

मांगने और डाक्टर राहुल सैनी पर मारने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। दोनों की खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस गिरफ्तारी में लगी थी। इसी बीच पता चला कि राहुल सैनी को इस केस में फर्जी फंसाया गया है। मामले की जांच के लिए प्रिंसिपल डॉ आर्य देशदीपक ने दो सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी थी। पता चला है कि टीम ने जांच पूरी कर ली है। उसने अपनी रिपोर्ट प्रिंसिपल को सौंप दी है। इस बारे में प्रिंसिपल का कहना है कि घटना की जांच कर रही टीम ने रिपोर्ट भेजी है। जिसमें उसने आरोपी डाक्टर राहुल सैनी को क्लीन चिट दी है। राहुल घटना के समय वहां नहीं थे। उन्होंने बताया कि पढ़ाई कर रहे मेडिकल के छात्रों ने भी राहुल की मौजूदगी को इंकार किया है। रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को भेज दी गई है।

दुपहिया गाड़ी को सरेशाम उचक्कों ने उड़ाया

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां रेलवे फाटक के पास बुधवार की शाम सब्जी विक्रेता छोटू मौर्या की हीरो मैजिक दो पहिया गाड़ी दुकान के सामने खड़ी थी। अंधेरा का लाभ उठाते हुए चोरों ने बाइक को उड़ा दिया। बाइक चोरी का आरोप कुछ लोग दिमागी संतुलन खराब होने वाले एक युवक पर लगा रहे है।

आंख के मरीजों का हुआ निःशुल्क परीक्षण

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर रायपुर रोड पर एक नेत्र केंद्र पर गुरुवार को निशुल्क जांच का आयोजन किया गया, जहां पर सैकड़ों लोगों ने अपनी आंखों की जांच मुफ्त में कराई तथा डॉक्टर से आवश्यक परामर्श भी लिया। नेत्र केंद्र के संचालक अर्जुन यादव ने बताया कि गुरुवार को 100 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ एस0 मिश्रा नेत्र सर्जन द्वारा मरीजों की आंख का निःशुल्क परीक्षण प्रत्येक गुरुवार को किया जाएगा।

वेस्ट कूडे.को बेस्ट बनाने में लगी है नगर पालिका

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका नगर के विस्तारित क्षेत्रों में विगत चार नवम्बर से हर रोज एक अभियान चलाकर घर-घर नीली व हरी बाल्टी का वितरण इस आषय से कर रही है कि घर से निकले कूडे. का अलगाव गीले व सूखे कूडे. में हो जाएगा।

गीले कूडे. से कम्पोस्ट खाद बनाने की प्रक्रिया नगर पालिका ने शुरू कर दी है और सूखे कूडे. का भी उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शासन के आदेश पर नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह के निर्देषन में चल रही बाल्टी

घर-घर बांटी जा रही हरी व नीली बाल्टी

सियाराम कालोनी में कूडे. की बाल्टी वितरित करते कर्मचारी।

वितरण कार्यक्रम में गुरुवार को नगर पालिका के विस्तारित क्षेत्र पितई का पुरवा व सियाराम कालोनी में घर-घर नीली व हरी बाल्टी का वितरण किया गया। नगर पालिका हरी बाल्टी में गीला कूड़ा घर-घर से एकत्र कर सीधे एमआरएफ सेंटर भेज दे रही है, जहां कम्पोस्ट खाद बनाने का कार्य किया जा रहा है। केवल सूखे कूडे. को अभी अलग स्थान पर भेजा जा रहा है। नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वह गीला कूड़ा हरी बाल्टी में एवं सूखा कूड़ा नीली बाल्टी में एकत्र कर सफाई कर्मी को सौंपें। इस बारे में नगर पालिका के ईओ मुदित सिंह ने बताया कि गीले कूडे.से कम्पोस्ट खाद बनाकर खेती के उपयोग में लाया जा रहा है। अब सूखे कूडे. को भी इस्तेमाल में लाये जाने की योजना बनाई जा रही है। इस तरह नगर पालिका वेस्ट कूडे. को बेस्ट बनाने के कार्य में लगी हुई है। आज के इस बाल्टी वितरण अभियान में सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के अलावा आरआई लाल बहादुर व स्वच्छ भारत मिषन के लोग शामिल रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. लालजी त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय पर किसानों की समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। उक्त जानकारी होने पर जिलाधिकारी प्रतापगढ़ ने अतिरिक्त एसडीएम को भेजा जहां कांग्रेस जनों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। उसके उपरान्त एक बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय, इन्दिरा भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. लालजी त्रिपाठी एवं संचालन कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष महेन्द्र

राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

किसानों की समस्याओं को लकेर एसडीएम को ज्ञापन देते कांग्रेसजन।

शुक्ला ने किया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष डॉ. लालजी त्रिपाठी ने कहा कि प्रतापगढ़ में किसानों को समितियों में डी.ए.पी खाद्य उर्वरक उपलब्ध नहीं हो रहा है जिसके कारण किसानों को सवेरे से लाइन में खड़ा रहना पड़ता है उसके बाद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि खाद की काला बाजारी हो रही है। इसके पूर्व भी प्रतापगढ़ में करोड़ों रुपए की खाद्य की काला बाजारी पकड़ी जा चुकी है। कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस उदासीनता के चलते इस समस्या को राज्यपाल के संज्ञान में लाया जा रहा है। धरना प्रदर्शन के दौरान मुख्य रुप से कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव आशुतोष तिवारी, चन्द्रनाथ शुक्ला, फतेह बहादुर सिंह, पी सी सी सदस्य सुनीता पटेल, पूर्व प्रत्याशी कुंडा योगेश यादव, नगर प्रभारी मो0 इश्तियाक, कांग्रेस सेवादल के उपाध्यक्ष राम रतन तिवारी, रामधन यादव, मोनू मिश्रा, देवमणि पाण्डेय, अजीत सिंह, दिलशाद, श्याम शंकर तिवारी, प्रमोद मिश्रा, मनीष सिंह सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

विविध कार्यक्रमों में आज शामिल होंगे प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी आज शुक्रवार को रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगे। वह पूर्वान्ह ग्यारह बजे राजापुर तथा सवा बारह बजे बाबा घुइसरनाथ धाम में विविध कार्यक्रमों मे शामिल होंगे। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी दिन में डेढ़ बजे पूरे बुद्धीधर बाबागंज स्थित बीडी दुबे इण्टर कालेज में आयोजित संस्थापक दिवस समारोह में बतौर मुख्यअतिथि शामिल होंगे। इसके बाद वह सायं बेला में लालगंज में भी विविध स्थानों पर लोगों से मुलाकात करेंगे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

सड़क पर बह रहा रेलवे क्वार्टर का पानी, टंकी रहती है खाली

महीने पहले टूटी पानी की पाइप को नहीं ठीक रहे जिम्मेदार

पानी के साथ साथ बिजली की भी बबार्दी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। टंकी का पानी रेलवे क्वार्टरों में जाना चाहिए जिसका इस्तेमाल रेल कर्मी और उनके परिवार कर सके। वह सड़क और नाली में बहकर बर्बाद हो रहा है। इससे पानी के साथ बिजली की बबार्दी तो हो ही रही है। पानी न मिलने से कर्मचारी अलग से परेशान हो रहा है।

सड़क पर बहता टंकी का पानी।

मामला मॉलगोदाम चैराहे का है। पम्प नंबर दस के पास बनी पानी की टंकी से न्यू रेलवे कालोनी और प्लेटफार्म पर आपूर्ति होती है। पिछले महीने भर से टंकी में पानी ले जाने वाली पाइप सड़क के किनारे टूट गई थी। जिस कारण मोटर चलने पर सारा पानी सड़क पर भर जाता है। जिससे लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत आ रही। नाली में भी बहकर बर्बाद हो रहा है। जिससे बिजली की भी बबार्दी हो रही हैं। मोटर बराबर चलती है। लेकिन पानी टंकी में न जाकर बीच में ही बहकर बर्बाद हो रहा है। इस बारे में आईओडब्लू से बात करने का प्रयास किया गया।

सत्य के मुख पे कालिख मली जाएगी, दम्भ में ही मनुजता छली जाएगी....

उमापुर में आयोजित हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। उमापुर स्थित माँ काली धाम पर बुधवार की रात अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा परवाना प्रतापगढ़ी की वाणी वंदना से हुआ। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता प्रख्यात गजलकार राजमूर्ति सिंह सौरभ तथा संचालन गीतकार सुनील प्रभाकर ने किया।

युवा गीतकार सत्येंद्र सिंह सौम्य का बेटियों को समर्पित गीत- गर्भ में मत मारो बेटी को है पुकार मन की, बेटी तो तुलसी होती है अपने आँगन की को लोगों ने खूब दाद दिया। कवयित्री अर्चना सिंह पढ़ा- राष्ट्रहित के लिए सर्जना के लिए, प्राणियों में नई चेतना के लिए भी सराही गयी। डा. रामसमुझ अकेला की जटायु पर केंद्रित रचना भी पसन्द आयी। संयोजक कवि डा. अनुज नागेन्द्र ने अपनी अवधी रचनाओं से भारी समर्थन जुटाते हुए पढ़ा- जियरा साँसत मा परा अहइ, निकुरा

कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते साहित्यकार।

से उप्पर पानी बा। घर-घर के इहइ कहानी बा। अवधी के वरिष्ठ कवि निर्झर प्रतापगढ़ी की हास्य कविताओं पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाये। उन्होंने सुनाया- तोहरे डर से काँपै गाँव, गली, नाका, जय गुंडा काका। वरिष्ठ कवि आचार्य अनीस देहाती ने पढ़ा-हरै बाँव मा बीति जिंदगी थामत फटही मोट- केहका देई वोट भैकरा, केहका देई वोट पर भी तालियां बजी। संचालन कर रहे सुनील प्रभाकर ने तो अपनी गजलों और गीतों से मंच को ऊँचाई दी। उन्होंने पढ़ा- दर्द की बस्ती में डेरा है क्या किया जाये। हरेक सिम्त लुटेरा है क्या किया जाए। अध्यक्षता कर रहे राजमूर्ति सिंह सौरभ ने अपने दोहों और मुक्तकों से सामाजिक विसंगतियों पर करारा प्रहार किया- सत्य के मुख पे कालिख मली जाएगी, दम्भ में ही मनुजता छली जाएगी। कवियों को समाजसेवी ओम प्रकाश तिवारी झुन्ना, मिथलेश गुप्ता ने अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। नगर पंचायत के चैयरमैन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने सभी कवियों को मानपत्र सौंपा। कार्यक्रम में सांसद प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, प्रमोद मिश्र, डा. बच्चाबाबू वर्मा, बृजेश द्विवेदी, रामनाथ उमरवैश्य, पवन वैश्य, विजय अनभिज्ञ, सुधीर मिश्र, अतुल पाण्डेय, नोबुल तिवारी, भागवत कथा व्यास पं. शिवम तिवारी आदि रहे।

मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ का दबदबा

बैडमिंटन एवं जूडो में प्रतापगढ़ के बच्चों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। जनपद फतेहपुर में आयोजित मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में टीम प्रभारी मुहम्मद फरहीम के मार्गदर्शन में प्रतापगढ़ (मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह मान्धाता) बालक वर्ग डबल्स में मोहम्मद मुनीर अंसारी कक्षा 7 तथा सूरज पटेल कक्षा 6 ने प्रयागराज को परास्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग सिंगल में द्वितीय स्थान, बालिका वर्ग डबल्स में सिमरन कक्षा 7 का द्वितीय स्थान तथा बैडमिंटन मिक्सड में फतेहपुर को परास्त करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त करके लखनऊ में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रवेश किया। प्रभारी प्रधानाध्यापक राज्य पुरस्कार प्राप्त मुहम्मद फरहीम ने बच्चों की सफलता देखकर यथासंभव बच्चों को सभी सुविधाएं मुहैया करने की बात कही। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक कौशलेंद्र प्रताप सिंह, अजमत उल्लाह अंसारी, पितामह यादव, शिखा श्रीवास्तव ,आशा मिश्रा, मनोज कुमार ने खुशी व्यक्त की। जूडो में प्रतापगढ़ (यू पी एस नरहर पट्टी मान्धाता) के बच्चों ने आशुतोष निर्मल के मार्गदर्शन में 3 गोल्ड तथा 3 सिल्वर प्राप्त किए। प्रतापगढ़ का नाम रोशन करने के लिए सभी बच्चों को भूपेंद्र सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ ने बधाई दी है।

श्रीमद भागवत कथा के पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

बरीबोझ गांव में शुरू हुई सात दिवसीय कथा, भक्तमय हुआ क्षेत्र

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। श्रीमद भागवत कथा के पूर्व महिलाओं ने भक्ति परिधान में सिर पर कलश रखकर भक्तिमय होकर यात्रा निकाली, जिसमें श्रद्धालुओं ने शामिल होकर पुण्य लाभ लिया इस दौरान सकैडो पुरुष व महिलाओं का हुजूम भक्तिमय दिखाई दिया।

स्थानीय क्षेत्र के बरीबोझ गांव में गुरुवार को पूजा-अर्चना के बाद सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा शुभारंभ हुआ। इस दौरान सकैडो महिलाओं ने गाजे-बजे के साथ मंगल गीत गाती हुई सिर पर कलश रखकर भक्तिमय होकर यात्रा निकाली। कलश यात्रा कथा स्थल से सई नदी होती हुई वसंती माता व शिव मंदिर पहुंची। वहां पूजा-अर्चना के बाद गांव भ्रमण करती हुई कथा स्थल पर पहुंचकर यात्रा संपन्न हुई इसके बाद कथा शुरू हुई। कथा व्यास श्री योगेश जी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के बाल्य काल का सुंदर वर्णन सुनाया। कथा में आए दूरदराज के लोगो ने भक्तिमय होकर भगवान के बाल्य रूप के वर्णन का रसपान किया। मुख्य जजमान जगत पल तिवारी व शिवकली देवी ने कथा के श्रवण के बाद श्रीमद भागवत भगवान की आरती करने के बाद कथा व्यास का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर आचार्य

बरीबोझ गांव में सिर पर कलश लेकर निकली महिलाएं।

चक्रधर जी, धर्मेंद्र तिवारी, रामचंद्र तिवारी, वीरेंद्र तिवारी, दीपेंद्र तिवारी, मुन्ना सिंह, शिवकरन चतुर्वेदी, रमेश चैबे, नीलम तिवारी, मीना तिवारी, रेनू तिवारी, आरती तिवारी, ऋषभ तिवारी, रामा ओझा, केशव दत्त पाण्डेय समेत सैकड़ों की संख्या में लोगो ने भाग लेकर पुण्य का लाभ लिया।

तीन महीने के लिए बन्द हो रही ऊँचाहार एक्सप्रेस ट्रेन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर दौड़ने वाली 14217 अप व 14218 डाउन ऊँचाहार एक्सप्रेस ट्रेन को रेल विभाग एक दिसम्बर 2022 से 1 मार्च 2023 तक के लिए कोहरा को देखते हुए बन्द कर रहा है जिससे कानपुर सेंट्रल से आगे की सफर के लिए यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। यात्रियों ने रेल विभाग के डीआरएम का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए मांग किया है कि ऊँचाहार एक्सप्रेस ट्रेन के निरस्त होने से परियावां के व्यापारियों को कानपुर सेंट्रल तक जाने व आने के लिए कानपुर प्रयागराज इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव तीन माह के लिये किया जाय जिससे व्यापारीगण कानपुर तक का कारोबार के लिए सफर कर सके। सुबह प्रयागराज जाने व वापस आने के लिए परियावां रेलवे स्टेशन पर एक ही ट्रेन नौचंदी एक्सप्रेस रह गई है।

लक्ष्य के लिए निरन्तर प्रयास पार्टी कार्यकर्ताओं का मूल मंत्र - श्रीचन्द्र शर्मा

जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में इलाहाबाद झांसी स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक को आहूत किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने किया, मुख्य अतिथि रूप में शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एमएलसी श्रीचंद्र शर्मा रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएलसी उमेश चन्द्र द्विवेदी रहे।इस मौके पर कार्यकर्ताओं से बात करते हुए मुख्य अतिथि श्री चंद शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने अपनी राजनीति की शुरूआत किया है। भाजपा ही एक ऐसा दल है जो कार्यकताओं को अपना मूल आधार मानकर काम करता है। इस मौके पर कार्यकताओं से सीधे बात करते हो उन्होंने कहा कि लक्ष्य के लिए निरंतर संघर्ष करना ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं का मूल्य लक्ष्य है।

इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों से बात करते हो उन्होंने कहा कि शिक्षक स्नातक का चुनाव बुद्धिजीवियों का चुनाव होता है जिसमें ऐसे लोग वोट करते हैं जो भविष्य में भारत का भविष्य युवाओं को शिक्षा देकर संवारने का काम करते हैं। पार्टी का के चुनाव में लगाए गए पदाधिकारियों का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि वह शिक्षकों के पास पहुंचकर अधिक से अधिक मतदाता बनवाने का काम करें इस मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि बोलते हुए एमएलसी उमेश द्विवेदी ने कहा कि जिले से उनका पुराना संबंध रहा है।

पहले भी वह चुनाव में जिले से रहे हैं ऐसे में उन्हें पता है कि कौशांबी जनपद में शिक्षकों का मूल भाजपा से पहले से ही जुड़ा हुआ है बस पार्टी कार्यकताओं को उनके पास पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या मतदाता बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में बोलते हुए पार्टी जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने चुनाव में लगाए गए पदाधिकारियों से बात करते हुए कहा कि वह पूरे मनोयोग के साथ चुनाव कार्य में लग जाएं जिससे पार्टी जिले की सभी पोलिंग से अपनी जीत दर्ज कराएं। इस मौके पर प्रमुख रूप से लाल बहादुर, कमलेश कुमार, जिला संयोजक अजय पाण्डेय, जितेन्द्र सोनकर, बाबूलाल तिवारी, चक्रेश मिश्रा, सुरेंद्र मिश्रा, कमल कुशवाहा, करुणेश त्रिपाठी, दिनेश पाण्डेय, तारा देवी वर्मा, वेद प्रकाश पाण्डेय, उमेश केशरवानी, जय प्रकाश विश्वकर्मा, बाबू लाल प्रजापति, हरेन्द्र, चंद्र किशोर मिश्रा, टिकेंद्र राज मिश्रा, जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल में 26 नवंबर को आयोजित होगी जिला शतंरज चयन प्रतियोगिता

कौशाम्बी। जिला शतंरज स्पोर्ट्स एसोसिएशन कौशांबी और विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल काजीपुर कौशांबी के संयुक्त तत्वावधान में आयु 09 वर्ष जिला शतंरज चयन प्रतियोगिता का आयोजन विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल काजीपुर कौशांबी में 26 नवंबर को आयोजित होगी सचिव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के प्रथम दो खिलाड़ी बालक और बालिका का चयन व-09 राज्य स्तरीय शतंरज प्रतियोगिता के लिए होगा इस प्रतियोगिता में अपनी प्रविष्ट के लिए 26 नवंबर शनिवार को प्रातः 9.30 बजे पर विद्यालय में उपस्थित हो।

एसपी द्वारा यातायात माह के अनुपालन में वितरित किये गए हेलमेट

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने व यातायात नियमों के प्रति स्कूली छात्रों व आम जनमानस को किया गया जागरूक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा यातायात माह नवम्बर - 2022 के अनुपालन मे यातायात जागरूकता अभियान चलाकर छात्रों व आम जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय उच्च कोटि का हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट धारण करने, वाहन चलाते समय ड्राईविंग लाईसेन्स के साथ निर्धारित गति सीमा में पूरी सतर्कता एवं सावधानी पूर्वक वाहन चलाने आदि के बारे में जागरूक किया गया साथ ही बिना हेलमेट लगाए यात्रा कर रहे दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए एवं सदैव हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाने हेतु अपील की गई।

वाहन चालकों को हेलमेट देते पुलिस अधीक्षक।

इलाहाबाद-झाँसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियॉ आलेख्य रूप में प्रकाशित

निर्वाचक नामावलियॉ जनसाधारण के निरीक्षण के लिए उपलब्ध

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार इलाहाबाद-झॉसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियम-1960 के अनुसार आलेख्य प्रकाशन के लिए अन्तिम रूप तैयार कर ली गयी है। उन्होने बताया है कि इलाहाबाद-झॉसी खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियॉ दिनांक 23.11.2022 से कार्यालय समय उनके कार्यालय में, जिला निर्वाचन कार्यालय एवं समस्त नामित पदाभिहीत अधिकारी तथा प्रथम अनुसूची में निर्दिष्ट अधिकारियों के कार्यालय में यथाविधि आलेख्य रूप में प्रकाशित कर दी गयी है, इन स्थानों पर निर्वाचक नामावलियॉ जनसाधारण के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी।

दावे/आपत्तियॉ 09 दिसम्बर के पूर्व दाखिल किये जा सकतें हैं

अपर जिलाधिकारी ने बताया है कि निर्वाचक नामावली में तैयार किये जाने की अर्हता तिथि 01.11.2022 है, यदि नामावली में किसी नाम के सम्मिलित किये जाने के लिए कोई आपत्ति हो या कोई नाम सम्मिलित किये जाने के लिए आवेदन किया जाना है तो वे दिनांक 09 दिसम्बर 2022 के पूर्व नियत प्रारूप में दाखिल किए जा सकतें हैं।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त दुलारे पुत्र महबूब निवासी चमनगंज थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

कुष्ठ रोगियों को चिन्हित कर उपचार करें: सीएमओ

आशा करेगी सर्वे व ओपीडी में चिन्हित किए जाएंगे कुष्ट रोगी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। यह बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुधेंद्र कुमार की अध्यक्षता व जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ0 ए0 आर0 प्रसाद के निर्देशन में आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की एपिडेमियोलॉजिकल रिपोर्ट के अनुसार हर ब्लॉक की गहन समीक्षा की गई। सभी प्रतिभागियों से उनके स्वास्थ्य के विषय में जाना गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने समस्त ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों को आदेशित किया कि ओपीडी एवं अन्य सर्वेक्षण के जरिए कुष्ठ रोगियों को चिन्हित कर उनका तत्काल उपचार कराएं। सीएमओ ने एबीएसयूएलएस (आशा बेस्ट सर्विलांस फॉर लेप्रोसी सपोर्ट) कार्यक्रम में आशा कार्यकर्ता के को नए कुष्ठ रोगियों को चिन्हित कर स्वास्थ्य केंद्र भेजने का निर्देश दिए । ताकि इनमें कुष्ठ रोग की पुष्टि होने पर इन सभी का समय से उपचार शुरू किया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी ब्लॉक में विकलांग कुष्ठ रोगी निकलता है तो उस गांव का सर्वेक्षण कर, वहां पर पात्र व्यक्तियों को रिफैम्पिसिन खिलाया जाए। ताकि विकलांग कुष्ठ रोगी की संख्या जनपद स्तर पर शून्य की जा सके।सीएमओ ने जिला कुष्ठ अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आवंटित कराई गई धनराशि एवं आशा से संबंधित भुगतान की स्थिति से अवगत कराये जाने पर ब्लॉक चिकित्साधिकारियों को एक सप्ताह में उक्त भुगतान करवाकर भुगतान की स्थिति से जिला कुष्ठ अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराये जाने का आदेश दिया गया।

बैठक कार्यक्रम में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सौरभ मिश्रा ने कुष्ठ रोग की पहचान, निदान एवं उपचार के साथ लेपरा रिएक्शन एवं न्यूराइटिस के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ0 कादिर द्वारा ने पी0ई0पी0 प्रोग्राम की जानकारी दी गयी। बैठक में डॉ. रामानुज कनौजिया एसीएमओ, डॉ. एच.पी मणि डिप्टी सीएमओ, समस्त ब्लॉक चिकित्साधिकारी, फिजियो थिरापिस्ट, टीएन द्विवेदी, दीपक द्विवेदी, एनएमएस लक्ष्मण भारती, बीएम सिंह, नरेंद्र द्विवेदी, सरोज सिंह, विमल कुमार, जंग बहादुर सिंह सहित समस्त एनएमएस, एनएम्ए, पीएमडब्ल्यू सहित सभी कुष्ठ कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी व अन्य।

हर माह की 15 तारीख को स्वास्थ्य इकाइयों पर मनेगा निक्षय दिवस

प्रदेश में 5.5 लाख टीबी मरीजों की अधिसूचना का लक्ष्य, 15 तारीख को अवकाश होने पर अगले दिन मनेगा दिवस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। देश को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नित नए कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अब निर्णय लिया गया है कि टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण इलाज और योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हर माह की 15 तारीख को प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा। किसी भी महीने में 15 तारीख को अवकाश की स्थिति में निक्षय दिवस अगले कार्य दिवस पर मनाया जाएगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन-उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने इस बारे में प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र जारी किया है। इसके माध्यम से उन्होंने अवगत कराया है कि टीबी एक प्रमुख सामाजिक समस्या है भारत विश्व के 20 फीसद रोगियों के साथ सबसे अधिक टीबी ग्रसित व्यक्तियों का देश है। प्रदेश में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5.5 लाख अधिसूचना का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा तय किया गया है । इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों पर सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सेंट्रल टीबी डिविजन के निदेर्शों के अनुक्रम में क्षय रोगियों के पूर्ण स्वस्थ होने के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में हर माह की 15 तारीख को सभी जनपद एवं ब्लाक स्तरीय पीएचसी और आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा।

निक्षय दिवस से पहले आशा कार्यकर्ता गृह भ्रमण कर टीबी के बारे में और दिवस के आयोजन के बारे में समुदाय को जागरूक करेंगी। स्वास्थ्य इकाइयों पर एलईडी के जरिये टीबी के बारे में जागरूकता सम्बन्धी फिल्म भी प्रसारित की जाएगी। निक्षय दिवस की उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शित किया जाएगा। आशा कार्यकर्ता संभावित टीबी मरीजों की सूची तैयार कर उन्हें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तक लाने का कार्य करेंगी । कम्युनिटी हेल्थ आफिसर (सीएचओ) द्वारा मरीजों की प्रारम्भिक जांच उपलब्धता के आधार पर एचआईवी, डायबिटीज और अन्य जांच सुनिश्चित की जायेगी इसके अलावा बलगम का नमूना लिया जायेगा और उसे निक्षय पोर्टल पर प्रिजमिटिव आईडी बनाते हुए नजदीकी टीबी जांच केंद्र पर भेजा जाएगा । निक्षय दिवस पर ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या के सापेक्ष 10 प्रतिशत मरीजों की बलगम जांच सुनिश्चित की जायेगी। सीएचओ और आशा द्वारा निक्षय दिवस पर मिलने वाली सुविधाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा । सीएचओ जाँच में टीबी की पुष्टि वाले मरीजों के परिवार के अन्य सदस्यों की भी टीबी स्क्रीनिंग सुनिश्चित करेंगे। आशा कार्यकर्ता निक्षय दिवस पर टीबी मरीजों के बैंक खाते का विवरण आशा संगिनी को मुहैया कराएंगी और आशा संगिनी सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर (एसटीएस) को निक्षय पोर्टल पर दर्ज कराने को देंगी। इस दिवस पर प्राइवेट प्रैक्टिशनर को टीबी नोटिफिकेशन, कांटेक्ट ट्रेसिंग और फालोअप के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इन बिन्दुओं पर होगा खास ध्यान.....

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। निक्षय दिवस पर स्वास्थ्य इकाई पर आने वाले संभावित टीबी मरीजों की सूची के अनुसार उनकी जांच करायी जाएगी, एचआईवी-डायबिटीज की भी जाँच होगी स्वास्थ्य इकाइयों पर सम्भावित मरीजों के बैठने की खुली जगह हो और इकाई के बाहर खुले स्थान पर बलगम के नमूने लेने के लिए कफ कार्नर बनाये जाएँ क्षय रोगियों के लिए हर जरूरी दवाएं मुफ्त उपलब्ध हों
स्वास्थ्य इकाई पर टीबी की जाँच, उपचार के बारे में परामर्श की व्यवस्था की जाए जनपद स्तर पर सीएमओ की अध्यक्षता में हर माह की 16 तारीख को मासिक बैठक कर निक्षय दिवस के समस्त कार्यों की समीक्षा हो और समस्त प्रकरणों का निस्तारण किया जाए और अगले दिन उस बारे में जिलाधिकारी को अवगत कराया जाए संभावित क्षय रोगियों की पहचान के लिए प्रमुख लक्षण में दो सप्ताह या अधिक समय से खांसी होना दो सप्ताह या अधिक समय से बुखार आना वजन में कमी आना/ भूख न लगना बलगम से खून आना आज प्रमुख लक्षण हैं जिन से सावधान रहने की जरूरत है।

युवक का मिला अज्ञात शव

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के विद्युत पावर हाउस सिराथू के रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का रक्तरंजित शव मिला है शव मिलने की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई है काफी प्रयास के बाद भी युवक के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है युवक के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं युवक कहां का रहने वाला है और युवक का शव पावर हाउस सिराथू तक कैसे पहुंचा इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

दो घरों से 5 बकरी खोल ले गए चोर

कौशाम्बी। इस समय जिले मे चोरों का आतंक बढ़ रहा है दिन प्रतिदिन चोरों के हौसले बुलन्द होते जा रहे हैं और पुलिसिया व्यवस्था की सुस्त ब्यवस्था से अपराध व आपराधिक घटनायें दिनों दिन बढ़ती जा रही है ताजा मामला लोधौर पुलिस चौकी के अंतर्गत औधन गांव में 5 बकरी खोल ले जाने का है। पिपरी थाना के लोधौर पुलिस चौकी अन्तर्गत औधन गांव मे बुधवार की रात राम औतार पासी उर्फ (छब्बू) की बीस हजार रुपए कीमत की दो बकरी और वही गांव के टेंघन पासी की 25 हजार रुपए कीमत की पांच बकरी चोर उठा ले गये इन दोनो घरों से चोरी हुई बकरी से परिवार के लोग जीविकोपार्जन करते थे उनके सामने समस्याएं खड़ी हो गई हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चैकिंग की गई चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 398 वाहनों का ई-चालान किया गया तथा 07 वाहन केआ चालान कर 4000 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया।

डी ए पी खाद की किल्लत को लेकर सकिपा सहकारिता कार्यालय का शुक्रवार को करेगी घेराव

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में डी ए पी खाद की किल्लत को लेकर शुक्रवार को सहकारिता कार्यालय विकास भवन मंझनपुर का घेराव किया जाएगा। इस संबंध में पार्टी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने बताया कि जिले की अधिकतर समितियों में डी ए पी खाद नदारद है और किसान परेशान हैं। आगे कहा कि समर्थ किसान पार्टी किसानों के साथ है और उनकी डी ए पी की समस्या को लेकर शुक्रवार को समय 12 बजे जिला सहकारिता कार्यालय विकास भवन मंझनपुर का घेराव किया जायेगा। साथ ही ज्ञापन सौंपकर तत्काल जिले भर की सभी समितियों में डी ए पी खाद की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग की जायेगी। अजय सोनी ने पार्टी के सभी कार्यकताओं को शुक्रवार 12 बजे विकास भवन मंझनपुर पहुंचने का आह्वान किया है।

बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते मुख्य विकास अधिकारी।

आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्ताराण के प्रगति की सीडीओ ने समीक्षा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा विकास भवन में आई0जी0आर0 एस0 एवं सी0एम0 हेल्पलाइन के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्ताराण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि प्रतिदिन आई0जी0आर0एस0 पोर्टल की जॉचकर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत अवश्य सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने मोबाइल में प्ले स्टोर से आई0जी0आर0एस0 एप डाउनलोड कर शिकायतों का जॉचकर निस्तारण करने के भी निर्देश दियें। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने कार्यालय में 10 से 12 बजे तक फरियादियों की शिकायतों को सुनकर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निस्तारण आख्या के साथ ही साक्ष्य भी अवश्य अपलोड करने तथा दिनांक 24 नवम्बर तक सभी डिफाल्टर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दियें इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी विजय कुमार एवं ई-डी0एम0 श्री कीर्त कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सीएमओ कार्यालय के लिपिक के जाने के बाद अभिलेखों का नही लगा सुराग

अवैध नर्सिंग होम क्लीनिक से बड़े साहब के नाम पर करोड़ों की वसूली करने वाला लिपिक कौन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में निजी नर्सिंग होम और क्लीनिक के अभिलेखों के रखरखाव के लिए निशांत बाबू को जिम्मेदारी सौंपी गई थी इनके कार्यकाल में तमाम नर्सिंग होम क्लीनिक का फर्जी अभिलेखों में रजिस्ट्रेशन कर दिया गया था जिसकी शिकायतें हुई थी लेकिन शिकायतों के बाद विभाग के अभिलेख गायब हो गए हैं वर्षो पूर्व लिपिक का स्थानांतरण गैर जनपद कर दिया गया जिससे इनका दायित्व दूसरे लिपिक को देने का निर्देश तो दिया गया लेकिन वर्षो बीत जाने के बाद दूसरे लिपिक को इनके दायित्व नहीं सौपे गए हैं निशान्त बाबू के समय में मौजूद निजी नर्सिंग होम क्लीनिक के अभिलेखों का विभाग में पता नहीं चल रहा है यह अभिलेख अभी सुरक्षित है या इनको नष्ट कर दिया गया है इस बारे में भी कोई जिम्मेदार जवाब देने को तैयार नहीं है आशंका जताई जा रही है कि निजी नर्सिंग होम और क्लीनिक के अभिलेखों को बड़े साहब के निर्देश पर नष्ट किया जा चुका है निजी नर्सिंग होम और क्लीनिक के अभिलेख विभाग से गायब हो जाने के बाद जिले में अवैध नर्सिंग होम अवैध क्लीनिक की बाढ़ आ गई है कोई लेखा-जोखा ना होने से मनमानी तरीके से सैकड़ो झोलाछाप डॉक्टर अस्पतालों और क्लीनिक का संचालन करने में लगे हैं।

बताया जाता है कि एक चर्चित लिपिक अवैध क्लीनिक और अवैध अस्पताल के संचालन में बड़े साहब के नाम पर करोड़ों रुपए की वसूली कर रहा है लेकिन उसके बाद भी बड़े साहब ने अवैध वसूली के प्रकरण पर चुप्पी साध रखी है जिससे उनके दामन पर भी दाग लगना शुरू हो गया है आखिर बरसों बीत जाने के बाद अभिलेख ना देने वाले लिपिक पर मुकदमा क्यों नहीं दर्ज कराया गया है उसकी उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं कराई जाए गायब अभिलेख को खोजने का प्रयास क्यों नहीं किया गया यह तमाम सवाल सीएमओ को कठघरे में खड़ा कर रहा है साहब के अगल-बगल रहने वाले लिपिक द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अवैध नर्सिंग होम और अवैध क्लीनिक करोड़ो की वसूली के मामले को अभी तक साहब ने गंभीरता से क्यों नहीं लिया गायब अभिलेखों को खोजने का प्रयास क्यों नहीं हुआ है आखिर योगी सरकार में स्वास्थ्य विभाग में गायब अभिलेख और वसूली करने के मामले में कि सीएमओ क्यों लापरवाही बरत रहे है उन्होंने इस मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया है यह तमाम सवाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर खड़े हो रहे हैं वह लिपिक कौन है जो साहब के नाम से कई वर्षों से वसूली कर रहा है उसे चिन्हित कर कारवाही करने के बजाए साहब क्यो उत्तेजित हो जाते हैं यह तमाम बातें पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है पल-पल की खबर रखने वाले डीएम कमिश्नर ने वर्षों से अभिलेख के गायब होने के मामले को अभी तक संज्ञान नहीं लिया है।

फॉरचूनर लेने के लालच में तो कहीं खंबा में नहीं टांगे गए बैनर पोस्टर

अखंड भारत संदेश

संभावित दावेदारों के बैनर पोस्टर से पटा मुख्यालय

कौशाम्बी। नगर पंचायत और नगर पालिका के चुनाव नजदीक आते ही मंझनपुर जनपद मुख्यालय नगर पालिका के खंभे दिवालों में संभावित अध्यक्ष पद के दावेदारों ने बैनर पोस्टर लगा दिए हैं तमाम सभासद के दावेदारों ने भी बैनर पोस्टर लगा दिए हैं पूरा मुख्यालय बैनर पोस्टर से पटा दिखाई पड़ रहा है तमाम ऐसे भी दावेदारों ने सड़क पर बैनर पोस्टर लगाए हैं जिनका 5 वर्षों तक आम जनता के दूर-दूर तक रिश्ता नहीं होता है और तमाम ऐसे दावेदारों ने भी बैनर पोस्टर लगाकर प्रचार करना शुरू कर दिया है जिन पर एन वक्त पर किसी को समर्थन कर देने का भी बदनुमा दाग लग चुका है हालांकि इसके पीछे सौदेबाजी की भी चचार्ए होती रही है इन दिनों एक प्रत्याशी ने अपने बैनर पोस्टर नगर क्षेत्र में लगा दिए हैं फॉर्च्यूनर मिल गयी तो चुनाव नहीं लड़ेंगे नहीं प्रबल दावेदारी करेंगे।

संपादकीय

हैवानियत की सारी हदें पार करता 'इंसान

क्रूरता की जब कभी बात होती है तो लोग 'जानवरों ' जैसे व्यवहार की मिसाल देते हैं। परन्तु इंसान जैसे 'बुद्धिमान' समझे जाने वाली 'प्राणी' के हवाले से कुछ ऐसी घटनायें सामने आने लगी हैं गोया अब इंसानों की क्रूरतम 'कारगुजारी ' के लिये 'पशुओं जैसी क्रूरता' या 'हैवानियत' की बात करने जैसी उपमायें भी छोटी मालूम होने लगी हैं। क्योंकि किसी पशु या उसके द्वारा की जा रही हैवानियत की मिसाल देना इसलिये भी बेमानी है क्योंकि किसी पशु द्वारा अपने स्वभावानुसार पशुता दिखाना या किसी जानवर द्वारा अपना पाशविक स्वभाव या पशुवृत्ति दशार्ना उसकी मनोवृति में शामिल है। वे किसी नियम कानून के अधीन नहीं आते बल्कि उनका सम्पूर्ण आचरण वैसा ही होता है जैसा प्रकृति ने उन्हें बख़्शा है। परन्तु इंसान को तो प्रकृति का 'सर्वश्रेष्ठ प्राणी ' माना जाता है। अपनी बुद्धि के सदुपयोग से यही 'अशरफ-उल-मखलूकात ' आज चाँद और मंगल के रास्ते नाप रहा है। इस संसार में समाज के गरीब व पिछड़े लोगों की सहायता के लिये अनेक बड़े से बड़े संगठन बनाकर मानव ने अपने कोमल ह्रदयी होने का सुबूत दिया है। पूरा विश्व समाज किसी न किसी रूप में एक दूसरे पर निर्भर है। गोया इसी मानवीय सदबुद्धि,विश्वास और सहयोग की बदौलत ही दुनिया आगे बढ़ रही है। परन्तु इसी मानव समाज में ऐसी क्रूरतम प्रवृति के लोग भी पाये जाने लगे हैं जिनके आगे पशुओं की पशुता और राक्षसों का राक्षसीपन भी फीका पड़ जाये। मनुष्य द्वारा मनुष्य की ही हत्या किये जाने की घटनायें तो प्राचीन काल से होती आ रही हैं। सत्य-असत्य की लड़ाई के नाम पर,युद्ध और धर्म युद्ध के नाम पर,आन-बान-शान के लिये,जर-जोरू और जमीन की खातिर,ऊंच-नीच,धर्म -जाति आदि को लेकर मानव समाज एक दूसरे के खून का हमेशा से ही प्यासा रहा है। परन्तु आज के दौर में जबकि तथाकथित धर्म का बोलबाला है,प्रवचन कताओं की पूरी फौज दिन रात समाज को ज्ञान और नैतिकता का पाठ पढ़ाती रहती है। धार्मिक समागमों में भीड़ पहले से कई गुना बढ़ती जा रही है। देश में एक से बढ़कर एक लोकप्रिय प्रेरक, लोगों को जीने की कला और सफल जीवन जीने के गुण सिखाते रहते हैं। दूसरी और इंसान है कि अपने आचरण,कृत्यों व सोच विचारों के लिहाज से बद से भी बदतर होता जा रहा है। बलात्कार,मासूम बच्चियों से बलात्कार,सामूहिक बलात्कार,और इन सब के साथ ऐसी वहशियाना हरकतें करना कि पीड़िता तड़प तड़प कर जान दे दे ?

महंगाई डायन खाए जात है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मौसी : क्या बताए बेटा , 400 रुपए वाला सिलेंडर 1200 रपए, साठ रुपए वाला पेट्रोल 109 रुपए, 399 रुपए वाला मोबइल रिचार्ज 599 रुपए, 200 रुपए वाला टीवी रिचार्ज 450 रुपए, 3 रुपए का प्लाटफार्म टिकट 50 रुपए और 60 रुपए वाला खाने का तेल 200 रुपए हो गया। लगता है महंगाई की होड़ जेट स्पीड से है। अब तुम्हीं बताओ बेटा हम जैसे लोग कैसे जिएँ?

जय : अरे मौसी! जेट में बैठने का सुख सभी को नसीब थोड़ी न होता है। वह तो हम सब किस्मत वाले हैं कि जीते जी महंगाई की जेट स्पीड का मजा उठा रहे हैं। महंगाई को महंगाई मत कहो। यह तो देशभक्ति है देशभक्ति!

मौसी : वो कैसे बेटा?

जय : मौसी! वेदों-पुराणों में लिखा है कि देशभक्ति तन-मन-धन से की जानी चाहिए। तन तो हमारे पास है। मन की बात कोई और करता है। जहाँ तक सवाल धन का है तो इसके लिए सीधी उंगली या फिर टेढ़ी उंगली का इस्तेमाल करना होगा। जो लोग देशभक्ति के लिए दान-धर्म नहीं कर सकते या नहीं करना चाहते उनसे सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल, मोबाइल, टीवी, प्लाटफार्म, खाने का तेल आदि की कीमतें बढ़ाकर वसूली करना होगा। इस तरह से देशभक्ति के लिए की गई वसूली शास्त्रों में पाप नहीं माना जाता। सरकार महंगाई के बहाने हमारे हाथों पुण्य करवा रही है।

मौसी : यह तो मैंने सोचा ही नहीं था बेटा! अब इतना भी बता दो कि ऐसी देशभक्ति भी किस काम की जिसमें जीना हराम हो जाए। खाने के लाले पड़ जाएँ। अब तुम्हीं बताओ महंगाई की देशभक्ति से वसूला पैसा किस काम का?

जय : **बड़ी** भोली है मौसी आप! चार दिन की जिंदगी में काहे की महंगाई काहे की गरीबी। चार दिन के बाद तो यह किचकिच खत्म हो जाएगी। लेकिन याद रखो मौसी! हम रहें न रहें देश रहना चाहिए। और यह देश यूँ ही अखंड नहीं रह सकता। इसके लिए शक्तिशाली सरकार की आवश्यकता पड़ती है। देश में अपनी सरकार बनाए रखने के लिए केवल चुनाव जीतना काफी नहीं होता। सरकार के और भी कई सारे जरूरी काम होते हैं। मसलन एमएलए, एमपी की खरोद-फरोख्त करनी होती। उन पर मुंहमांगा पैसा लुटाना पड़ता है। इस तरह जाकर सुव्यवस्थित सरकार बनती है। देश अखंड बनता है।

मौसी : एक बात की दाद दूँगी बेटा! भले ही 400 रुपए वाला सिलेंडर 1200 रपए, साठ रुपए वाला पेट्रोल 109 रुपए, 399 रुपए वाला मोबइल रिचार्ज 599 रुपए, 200 रुपए वाला टीवी रिचार्ज 450 रुपए, 3 रुपए का प्लाटफार्म टिकट 50 रुपए और 60 रुपए वाला खाने का तेल 200 रुपए हो गया लेकिन तुम्हारे मुँह से सरकार के लिए तारीफ ही निकलती है ।

जय : अब क्या करें मौसी! तारीफ नहीं करेंगे तो देश के गद्दार कहलायेंगे। अब देश में देशभक्त होने की एक ही निशानी है सरकार जो कह रही है उसकी हाँ में हाँ मिलाओ। जो कर रही है उसे करने दो। क्योंकि सरकार आँखों से सुरमा नहीं आँखें ही चुरा लेती है।

नोटबंदी के छह साल....

डॉ. लखन चौधरी

इसलिए सवाल बनता है कि नोटबंदी, अर्थव्यवस्था से कालाधन निकालने में असफल क्यों हुई? सरकार बार-बार दावा करती है कि नोटबंदी के छह साल में देश में डिजिटल लेनदेन में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर यह खबर है कि देश में 76 फीसदी परिवार अभी भी किराना सामानों की खरीदारी नकदी में कर रहा है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश के 342 जिलों के 76 फीसदी लोग किराना, रेस्टोरेंट का बिल और फूड डिलीवरी का भुगतान नकदी में कर रहे हैं

कालेधन को व्यवस्था से निकालने में नोटबंदी असफल रही है। इधर नोटबंदी के बाद से आमजन के पास 'कैश होल्डिंग' यानि नकदी रखने की चाहत डेढ़ गुना से ज्यादा हो गई है। यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने, मकान-भवन जैसे संपत्तियों की खरीदारी तक में नकदी ज्यादा इस्तेमाल होने लगा है। गहने, मकान-भवन आदि की खरीदारी में तो खुलकर कालेधन का इस्तेमाल जारी है। नोटबंदी को छह साल पूरे हो गये हैं। नोटबंदी के छह साल की पड़ताल से स्पष्ट है कि इन छह सालों में भारतीय अर्थव्यवस्था को नोटबंदी से कुछ हासिल नहीं हुआ है। व्यवस्था से एक फीसदी कालाधन भी बाहर नहीं आ पाया है, अपितु देश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। इन छह सालों में नोटबंदी से क्या हासिल हुआ? यह सवाल आज तक न केवल अनुत्तरित है। सरकार इस पर अभी तक कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब, जब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई शुरू हुई है, सरकार इसके फायदे गिनाने लगी है। केंद्र सरकार ने नोटबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं की सुनवाई पर हलफनामा दायर कर कहा है कि 'देश में 500 और 1000 के नोटों की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। इसलिए आरबीआई से विचार-विमर्श के बाद नोटबंदी का फैसला किया था।' सरकार ने नोटबंदी के फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि 'नोटबंदी करने का निर्णय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की विशेष अनुशंसा पर लिया गया था। नोटबंदी वास्तव में जाली करेंसी, टेरर फंडिंग, काले धन और कर चोरी जैसी समस्याओं से निपटने की योजना का हिस्सा और असरदार तरीका था। यह इकोनॉमिक पॉलिसीज में बदलाव से जुड़ी सीरीज का बड़ा कदम था।' सरकार ने नोटबंदी के फायदे भी गिनाए हैं। 'नोटबंदी से नकली नोटों में कमी आई है, डिजिटल लेन-देन में बढ़ोतरी हुई है, बेहिसाब आय का पता लगाने जैसे कई लाभ हुए हैं।' इधर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अपनी पुस्तक 'आई डू व्हाट आई डू' में खुलासा किया है कि उन्होंने कभी भी नोटबंदी का समर्थन नहीं किया। उल्लेखनीय है कि 8 नवम्बर 2016 को नोटबंदी की घोषणा के पहले 4 सितम्बर 2016 को तत्कालीन गर्वनर रघुराम राजन ने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद डिप्टी गर्वनर उर्जित पटेल को इसकी कमान सौंपी गई थी, जिन्होंने 10 दिसम्बर 2018 को सरकार से मतभेदों के चलते इस्तीफा दे दिया था। सवाल उठता है कि जब नोटबंदी के इतने सारे नफा-नुकसान थे तो सरकार ने इन छह सालों में इस पर कभी बात करना तक उचित क्यों नहीं समझा? नोटबंदी पर बहस से सरकार हमेशा क्यों भागती रही या बचती रही? यह अलग बात है कि नोटबंदी के तत्काल बाद हुए उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी जीत मिली। इसके बाद लोगों ने भी इस पर बात करना बंद कर दिया, शायद यह समझकर कि नोटबंदी के बावजूद सरकार या भाजपा की छवि पर इसका कोई विपरीत असर देखने को नहीं मिला है, लिहाजा नोटबंदी सफल रही है। 2016 में प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, नोटबंदी के पांच प्रमुख उद्देश्य थे। अर्थव्यवस्था से कालाधन को खत्म करना, नकली नोटों को खत्म करना, बड़े नोटों को कम करना जिससे कालाधन जमा न हो सके, देश को कैशलेस बनाना यानि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना और कालेधन से पनपने वाले आतंकवादी एवं नक्सली गतिविधियों पर प्रहार करना। आज स्थिति यह है कि इसका कोई उद्देश्य पूरा हुआ नहीं है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार चलन की 99 फीसदी मुद्रा आरबीआई के पास वापस आ गई थी, कहा जाए कि 15.41 लाख करोड़ के जो नोट या मुद्रा नोटबंदी के बाद अमान्य हो गये थे, में से 15.31 लाख करोड़ रुपए बैंकों के माध्यम से वापस आ गये। यानि जब चलन की 99.4 फीसदी मुद्रा बैंक में वापस आ गई फिर कालाधन कहां गया?

जिसके लिए यह कदम उठाया गया था? सरकार कहती रही कि बैंकिंग सिस्टम के बाहर चार लाख करोड़ के आसपास कालाधन है, जिसे नोटबंदी के द्वारा खत्म करना सरकार का लक्ष्य था।

इसलिए सवाल बनता है कि नोटबंदी, अर्थव्यवस्था से कालाधन निकालने में असफल क्यों हुई? सरकार बार-बार दावा करती है कि नोटबंदी के छह साल में देश में डिजिटल लेनदेन में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर यह खबर है कि देश में 76 फीसदी परिवार अभी भी किराना सामानों की खरीदारी नकदी में कर रहा है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश के 342 जिलों के 76 फीसदी लोग किराना, रेस्टोरेंट का बिल और फूड डिलीवरी का भुगतान नकदी में कर रहे हैं। फिर सरकार के दावे कहां हैं? नोटबंदी की 2016 की रात 8 बजे प्रधानमंत्री ने रात 12 बजे से 1000 रुपए और 500 रुपए के नोट को डिमोनेटाइज यानी प्रचलन से बाहर करने का ऐलान किया था। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद 500 रुपए के नए नोट और 1,000 रुपए की जगह 2,000 रुपए का नोट जारी किया गया था। मगर हकीकत यह है कि कालाधन जमा करने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल 500 और 2000 के नोटों का होता है। फिर इसे दोबारा क्यों लाया गया? और 1000 की जगह 2000 के नोट क्यों लाये गये?

नोटबंदी के बाद कितना कालाधन बरामद हुआ? यह सवाल आज भी कचोटता है, क्योंकि इस सवाल का जवाब आज तक नहीं मिला है। फरवरी 2019 में तत्कालीन वित्तमंत्री पियूष गोयल ने संसद में बताया था कि डिमोनेटाइजेशन सहित विभिन्न कालाधन विरोधी उपायों से 1.3 लाख करोड़ रुपए के कालेधन की रिकवरी हुई है। इसमें नोटबंदी से कितना है, यह अस्पष्ट है। लिहाजा यह साफ है कि कालेधन को व्यवस्था से निकालने में नोटबंदी असफल रही है। इधर नोटबंदी के बाद से आमजन के पास 'कैश होल्डिंग' यानि नकदी रखने की चाहत डेढ़ गुना से ज्यादा हो गई है। यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने, मकान-भवन जैसे संपत्तियों की खरीदारी तक में नकदी ज्यादा इस्तेमाल होने लगा है। गहने, मकान-भवन आदि की खरीदारी में तो खुलकर कालेधन का इस्तेमाल जारी है।

भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि कैश होल्डिंग पहले से 75 फीसदी अधिक हो गई है। जब 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा हुई थी तो उसके तत्काल बाद पब्लिक कैश होल्डिंग घटी थी, लेकिन जून 2017 से इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई। 4 नवंबर, 2016 को 17.6 लाख करोड़ रुपए की कैश होल्डिंग थी, जो 6 जून 2017 को घटकर 8.98 लाख करोड़ रुपए थी। मगर 2022 के अक्टूबर अंत तक कैश होल्डिंग बढ़कर 32 लाख करोड़ से ऊपर हो गई है। कोरोना महामारी के बाद कैश होल्डिंग में एक तिहाई तक की वृद्धि दर्ज हुई है। देश में रोज पड़ रहे ईडी, सीबीआई, आयकर आदि छापों में जिस तरह कालाधन निकल रहा है, इससे साफ है कि पैसेवालों को कानून का कोई डर नहीं है, और देश में भ्रष्टाचार बेलगाम बढ़ता ही जा रहा है।

राजस्थान कांग्रेस में नहीं थम रहा घमासान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान कांग्रेस में मचा घमासान थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। पिछले 25 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का पार्टी विधायकों द्वारा बहिष्कार करने की घटना के बाद राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर पहुंच गई हैं। पार्टी के नेता एक-दूसरे के खिलाफ खुलकर बयान बाजी कर रहे हैं। पार्टी में अनुशासन नाम मात्र का भी नहीं बचा है। कांग्रेस आलाकमान के निदेर्शों के उपरांत भी नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई कर मनमाने बयान दे रहे हैं। इससे आम जन में कांग्रेस की नकारात्मक छवि बन रही है।

25 सितंबर को जिस तरह से गहलोत समर्थक विधायकों ने गुटबाजी कर पार्टी आलाकमान के पर्यवेक्षक व वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे व कांग्रेस स्टेरिंग कमेटी के सदस्य तथा तत्कालीन प्रदेश प्रभारी अजय माकन द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था। उसका परिणाम कांग्रेस को आने वाले लंबे समय तक भुगतना पड़ेगा। उस घटना से जहां पार्टी का अनुशासन तो तार-तार हुआ ही था। वही नेताओं में आपसी गुटबाजी भी इस कदर बढ़ गई कि एक गुट के नेता दूसरे गुट के नेता को देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। सचिन पायलट समर्थक नेता जहां आगामी चुनाव को देखते हुए पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। वही अशोक गहलोत समर्थक नेता किसी भी सूरत में पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देने का प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत समर्थक विधायकों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी से बगावत कर सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायक गद्दारों की श्रेणी में आ चुके हैं। ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री कैसे बनाया जा सकता है। उस समय यदि अशोक गहलोत सतर्क रहकर विधायकों को एकजुट नहीं करते तो पायलट समर्थक विधायक राजस्थान में भाजपा से मिलकर कांग्रेस की सरकार गिरा चुके होते। मगर मुख्यमंत्री गहलोत की सतर्कता के चलते ही सरकार बच पाई थी।

राजस्थान में सरकार गिराने का प्रयास करने वाले विधायक ही अब अपने नेता सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिसे किसी भी स्थिति में पूरा नहीं होने दिया जाएगा। 25 सितंबर को भी पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए ही पूरा ड्रामा रचा गया था। हालांकि उस दिन गहलोत समर्थक विधायक ऐसी हिमाकत कर बैठे जो अब उनके गले पड़ गई है। जिसे गहलोत समर्थक ना निगल सकते हैं ना उगल सकते हैं। उस घटना के बाद जहां पायलट समर्थक विधायक फ्रंट फुट पर आकर खेल रहे हैं। वहीं गहलोत समर्थक विधायक बचाव की मुद्रा में नजर आ रहे हैं।

25 सितंबर की घटना के मुख्य सूत्रधार रहे कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जिसका तीनों नेताओं ने जवाब भी दे दिया था। मगर लंबे समय तक अनुशासन समिति द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने व अनुशासन समिति के निशाने पर आए तीनो नेताओं को प्रदेश सरकार व संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने के विरोध में राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेजकर किसी अन्य को राजस्थान का प्रभारी बनाने की मांग से राजस्थान की राजनीति में फिर से एक नया बवंडर उठ गया है।

माकन ने अपने इस्तीफे में लिखा है की जब आलाकमान के निर्देश की अवहेलना के मामले में जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है तो नैतिक आधार पर उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। माकन के इस्तीफे को गहलोत गुट पर दबाव के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि राजस्थान के प्रकरण में कांग्रेस आलाकमान द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कर उसे ठंडे बस्ते में डाले जाने के कारण माकन ने इस्तीफा देकर पूरे प्रकरण को एक बार फिर नए सिरे से जिंदा कर दिया है।

यहां खास बात यह है कि अगले महीने के प्रारंभ में ही राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से होकर गुजरेगी। माकन के इस्तीफे से अनुशासन समिति को गहलोत समर्थक तीनों नेताओं पर कार्यवाही करनी होगी। माकन के स्तीफे की घोषणा के बाद ही तीनों नेताओं को राहुल गांधी के यात्रा कार्यक्रम के लिए बनी कमेटी से भी हटा दिया गया है। इन्हें सरदार शहर विधानसभा उपचुनाव में भी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इतना ही नहीं इन तीनों नेताओं को गुजरात विधानसभा चुनाव से भी अलग कर दिया गया है।

राजस्थान में एक साल बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में जहां पार्टी के सभी नेताओं को एकजुट होकर अगले विधानसभा चुनाव जीतने की तैयारी करनी चाहिए थी। वहीं राजस्थान कांग्रेस में इसका उल्टा हो रहा है। यहां कांग्रेस के सभी नेता गुटों में बंटे हुए हैं तथा एक दूसरे को नीचा दिखाने व एक दूसरे की टांग खिंचाई करने में लगे हुए हैं। गहलोत पायलट विवाद एक बार फिर नए सिरे से उठ खड़ा हुआ है। पहले जहां गहलोत समर्थक पायलट गुट के नेताओं को बगावत करने वाला कहकर उनको पार्टी की मुख्यधारा से अलग-थलग रखते थे। वही 25 सितंबर की घटना के बाद पायलट गुट गहलोत गुट पर हमलावर है।

पायलट गुट के नेता मुख्यमंत्री गहलोत पर पार्टी आलाकमान की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हैं। पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा तो खुलेआम कह रहे हैं कि यदि पायलट को शीघ्र ही मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो अशोक गहलोत के नेतृत्व में चुनाव जीतना मुश्किल ही नहीं असंभव है। गुढ़ा ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि गहलोत के नेतृत्व में ही पार्टी चुनाव लड़ती है तो विधायकों की संख्या दहाई के आंकड़े तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाएगी। इतने ही विधायक जीत पाएंगे जो एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठ कर यात्रा कर सकें। कांग्रेस के लिए इससे हल्की बात और क्या होगी।

पार्टी विधायक दिव्या मदेरणा लगातार गहलोत सरकार के मंत्रियों को कटघरे में खड़ा कर रही हैं। वहीं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ओबीसी के आरक्षण के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर वादा खिलाफी का आरोप लगा रहे हैं। कई विधायक नए जिलों के गठन को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निदेर्शों की कोई भी पार्टी नेता परवाह नहीं कर रहा है। राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास विभागीय सचिवों की गोपनीय रिपोर्ट भरने को लेकर मंत्रियों को अधिकार देने की मांग कर रहे हैं। गहलोत समर्थक मंत्री महेश जोशी, ममता भूपेश, परसादी लाल मीणा खाचरियावास के बयानों को गैरजरूरी बताकर खारिज कर रहें है। पायलट गुट के नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा से पहले राजस्थान को लेकर पार्टी आलाकमान ऐसा कोई फैसला करें जिससे दोनों गुट संतुष्ट हो सके और राजस्थान में चल रहा आपसी विवाद समाप्त हो सके। यदि राजस्थान कांग्रेस में चल रहे विवाद पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को इसका भारी खामियाजा उठाना पड़ सकता है। पार्टी के नए अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे जिनकी मौजूदगी में जयपुर में 25 सितंबर की घटना घटित हुई थी। उनको आगे बढ़कर दोषी नेताओं के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। पार्टी के सभी नेताओं को संतुष्ट कर एकजुट करना चाहिए। ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस फिर से सरकार बनाने की दिशा में एकजुटता से काम कर सके।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं)

जयकारों पर भारी पड़ता मौन प्रतिरोध

सर्वमित्रा सुरजन

धार्मिक सख्ती के विरोध में उठी लहर अब तक थमी नहीं, बल्कि बढ़ते हुए फीफा के मंच तक जा पहुंची। ईरानी कैप्टन एहसान हजसाफी ने मैच के पहले ही स्पष्ट संदेश दिया था कि हमारी टीम मजहबी तानाशाही वाली सत्ता के खिलाफ संघर्ष कर रहे लोगों के साथ है। उन्होंने कहा था, 'हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे देश में हालात ठीक नहीं हैं और हमारे देश के लोग खुश नहीं हैं। देश में इस समय कितना शोर मचा हुआ है। विधानसभा चुनाव एक राज्य में हो रहा है, लेकिन वहां जो चीख-चिल्लाहट मची है, उसे पूरे देश में सुनाया जा रहा है। मानो एक राज्य में सत्ता का फैसला पूरे देश का भविष्य निर्धारित करेगा। लाउड स्पीकर पर भी नेता चिल्ला-चिल्ला कर अपनी बात रख रहे हैं। चिल्लाने के साथ-साथ हाथ-सिर सब हिला रहे हैं, ताकि बात में वजन पड़े। भाव-भंगिमा, वेश-भूषा बदल-बदल कर अपनी बात कहने वाले तथाकथित सेवकों को पता है कि उनकी बातें कितनी खोखली हैं, इसलिए उनमें असर पैदा करने के लिए बाहरी जोर डाला जा रहा है। जो बात धीर-गंभीर होती, तो उसका असर अपने आप जनता पर पड़ ही जाता है। लेकिन अभी तो सत्ता के साढ़े आठ साल होने के बाद जनता को समझाना पड़ रहा है कि मैं आपका सेवक हूं। खुद को दीन-हीन बताकर सहानुभूति हासिल कर जीतने की रणनीति कब तक, कहां तक कामयाब होगी, ये जनता ही तय करेगी। विधानसभा चुनावों के साथ अब नगर निगम के चुनावों को भी राष्ट्रीय महत्व का बना दिया गया है। लोगों के मुद्दे गौण हो गए हैं, दलों के गठबंधन, उनकी तोड़-फोड़, घोषणापत्र, स्टिंग आपरेशन प्रधान मुद्दे बन गए हैं। चुनावों का शोर काफी नहीं लगता तो भारत जोड़ने के विचार से निकाली जा रही यात्रा को लेकर बिला वजह हल्ला मचाया जा रहा है। अगर कुछ लोगों के पैदल चलने से और प्रेम, भाईचारे का संदेश देने से देश में एकता बढ़ती है, तो इससे किसी भी राष्ट्रवादी को कोई तकलीफ क्यों होनी चाहिए। बल्कि ऐसी यात्राओं का स्वागत होना चाहिए। मगर प्रधानमंत्री का कहना है कि सत्ता से बेदखल लोग सत्ता में लौटने के लिए यात्रा निकाल रहे हैं। अगर ऐसा है भी तो इसमें उन्हें क्या आपत्ति है। लोकतंत्र में राजनीति करने वाले हर नेता को ये अधिकार है कि वह सत्ता प्राप्त करने की कोशिश करे। जब प्रधानमंत्री खुद अपने दल की सत्ता बनाए रखने के लिए दिन-रात कई-कई दिन प्रचार कर सकते हैं, तो कोई दूसरा ऐसा क्यों नहीं कर सकता। अनावश्यक विवाद खड़े कर सियासत में शोर पैदा किया जा रहा है। इस शोर में उन सारे मुद्दों को खामोशी की चादर ओढ़ा दी गई है, जिन पर सच में खुल कर बात करने की जरूरत है। हर साल दो करोड़ रोजगार देने की बात कर कुछ हजार नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। महंगाई कम करने के दावे कर हर दूसरे-तीसरे महीने अनाज, तेल, मांस, डेयरी उत्पाद, घरेलू गैस, बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज सब महंगे किए जा रहे हैं। सपने दिखाए गए थे भ्रष्टाचार खत्म करने के, लेकिन अब नोटबंदी जैसे बड़े फैसलों के पीछे की कहानियां सामने आ रही हैं। आश्वासन दिया गया था बेटियों की सुरक्षा का, लेकिन उत्तराखंड की अंकिता से लेकर महाराष्ट्र की श्रद्धा और दिल्ली की आयुषी तक हर मोड़ पर बेटियां कत्ल हो रही हैं, कभी बलात्कारियों के हाथों, कभी प्रेमी तो कभी मां-बाप के हाथों। जो बची हुई हैं, वो कब तक सुरक्षित रहेंगी, क्या बेटियों को उनके अधिकार मिलेंगे, क्या लड़का-लड़की का भेदभाव कभी खत्म हो पाएगा, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लोग जब अपनी रोजमर्रा की जरूरत, बुनियादी सुविधाओं के लिए मुंह खोलने की हिम्मत नहीं दिखा रहे हैं, तो लड़कियों के अधिकारों, उनके सम्मान के लिए कभी आवाज उठाएंगे, ऐसी कोई उम्मीद ही नहीं रखी जा सकती। नाउम्मीदी की खामोशी और खोखलेपन के शोर के बीच मौन की ताकत का एक नायाब उदाहरण कतर से ईरान की फुटबॉल टीम ने पेश किया है। कतर में इस वक्त दुनिया में फुटबॉल प्रतियोगिता का सबसे बड़ा मंच सजा हुआ है। फीफा के मेजबान देश कतर के खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में सोमवार को एक अनूठा नजारा दुनिया ने देखा। ईरान और इंग्लैंड के मुकाबले के पहले स्टेडियम में जब ईरान का राष्ट्रगान बजाया जा रहा था तो उसके 11 खिलाड़ी मैदान में हाथ बांधे खड़े हुए थे, लेकिन उनके लब सिले हुए थे। यह किसी जबरदस्ती से नहीं, बल्कि धार्मिक कट्टरता के खिलाफ उनके विरोध का तरीका था।

गौरतलब है कि ईरान में दो महीने पहले महसा अमीनी नाम की युवती को पुलिस ने केवल इसलिए गिरफ्तार किया था, क्योंकि हिजाब पहनने के बावजूद उसके बाल दिखाई दे रहे थे। ईरान की नैतिक पुलिस ने इसे धर्म के खिलाफ माना और महसा को ऐसी

एडमिनों की डिक्टेटरशिप

डॉ. सुरेश कुमार

गौतम बुद्ध को पीपल के नीचे तो कुछ लोगों को देसी शराब की भट्टी, पान की दुकान, चाय के बहाने लंबी-लंबी फेंकने वालो की चौपालों पर बैठे-बिठाए लोकल से लेकर ग्लोबल तक का ठन-ठन गोपाल वाला ज्ञान प्राप्त हो जाता है। इसी ज्ञान के सहारे वे गीदड़ों, कौओं, गधों के सरदार बन वाट्सप, टेलिग्राम, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया का संचालन करते हैं। उनके अधकचरे ज्ञान को न मामने वाले अडियल बुद्धिजीवियों को समूह के सदस्यों द्वारा धोबी पछाड़ के मानिंद बड़ी तबियत से धोया जाता है। ऐसे ही किसी समूह का मैं भी सदस्य हुआ करता था। बाद में समूह के एडमिन उर्फ कॉपी, पेस्ट, फॉरवर्ड के सुल्तान के चेले-चपाटों ने तबियत से हमारी क्लास ली। या यूँ कहिए ह्वाबिन मिले हम धुलेह्न की स्कीम का पूरा-पूरा मजा चखाया। हुआ यूँ कि एक दिन हम पान खाने वालों पर कमेंटिया गए। हमें क्या पता समूह में एक से एक पहुँचे हुए पान खवक्कड़ थे। कहते हैं न कुछ बातें अनुभव से सीखी जाती हैं। आज मैं भी इस अनुभव की पाठशाला का छात्र बनने जा रहा था। बात पान गली से शुरू होकर तंबाकू मोहल्ला, चरस कॉलोनी, गांजा गंज, मधुशाला मार्केट तक पहुँच गयी। उस दिन हमने पहली बार जाना कि राई का पहाड़ कैसे बनाते हैं। हमने पान के बारे में कुछ जानकारी वीकिपीडिया से तो कुछ अपने शोध संदर्भों से इकट्ठा कर भानुमति का कुनबा जोड़ने का प्रयास किया। हमें क्या पता था कि समूह में सब के सब सुधीर चौधरी बने हमारा डिएनए-डिएनए खेलेंगे। समूह के एक सदस्य ने वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ खंगालकर ऐसे-ऐसे उद्धरण रख डाले जिससे यह स्पष्ट होता था कि नशा करने वाला सही बाकी सब गलत है। शिव जी की भांग, अप्सराओं का सुरा बिंदु छिड़काव इसी तथ्य को प्रमाणित कर रहे थे।

उन्नाव के सफीपुर में गंगा संवाद यात्रा का लोगों ने किया भव्य स्वागत

अखंड भारत संदेश

सफीपुर उन्नाव । गंगा संवाद यात्रा का सफीपुर में जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा प्रमुख के. एन. गोविंदाचार्य ने कहा कि अविरल गंगा निर्मल गंगा के प्रवाह के लिए सब का योगदान आवश्यक है।

स्वाभिमान आंदोलन के तत्वाधान में शुरू हुई गंगा संवाद यात्रा के प्रमुख के.एन. गोविन्दाचार्य का स्वागत सफीपुर पहुँचने पर विधायक बम्बा लाल दिवाकर, पूर्व चेयरमैन सफीपुर हरिशरण लाल, चेयरमैन ऊगू अनुज कुमार दीक्षित, बीजेपी नेता सनद कुमार गुप्ता, कमल किशोर दीक्षित, सतीश चंद्र गुप्ता, राकेश तिवारी, श्रीकांत तिवारी, धर्मेंद प्रताप सिंह, सभासद नीरज सैनी, समाजसेवी सुनील चौरसिया, सभासद राजू चौहान, नीरज कुशवाहा, लक्ष्मीनारायण, राजूपाल, सौरभ शुक्ला, प्रधानचार्य रेखा, प्रमोद दीक्षित आदि के द्वारा फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। गंगा संवाद यात्रा सुबह 10 बजे सफीपुर बाजार होते हुए कचहरी से प्राचीन मोटेश्वर महादेव मन्दिर के दर्शन करने के बाद बायां तलाब से होकर यात्रा सकहन राजपूतान, सरांय सकहन, न्यामतपुर, जमाल नगर, मरौंदा आदि गाँव से होकर परियर में रात्रि विश्राम होगा। गंगा संवाद यात्रा में यात्रा के सह यात्री वासुदेवाचार्य बनारस, जीबकांत झा राष्ट्रीय संयोजक नदी संवाद, सचिन गुप्ता दिल्ली, संजय शर्मा गया, विवेक त्यागी बिजनौर, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता सुबहुई खान दिल्ली, कृष्ण वीर सिंह फिरोजाबाद, अजय सिंह महाराष्ट्र, उज्जवल कुमार झा दिल्ली, तरुण हरियाणा, मंजूषा मुंबई, ललिता देवी सासाराम, निरंजना देवी गुजरात, विभा झा, निधि झा, मंटू तिवारी दिल्ली, ऋषभ राजपूत झांसी, श्रीराम लोधी टीकमगढ़, मोहन सिंह नेपाल, उपेंद्र तवेतिया बुलंदशहर, रिंकू नामदेव आदि लोग शामिल रहे।

स्वीट डिश प्रतियोगिता में सुमन ने मारी बाजी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। वामा सारथी पुलिस फेमिली वेलफेयर एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर महिला निरीक्षक श्रीमती रचना सिंह व प्रतिसार निरीक्षक सुमेर सिंह की मौजूदगी में महिला कल्याण केन्द्र में स्वीट डिश मेकिंग प्रतियोगिता हुई।

गुरुवार को पुलिस लाइन परिसर में स्वीट डिश प्रतियोगिता में पुलिस लाइन में आवासित पुलिस परिवार की महिलाओं व बालिकाओं ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल ने डिश को टेस्ट कर नतीजे घोषित किये।

सर्वाधिक टेस्ट फुल डिश होने पर श्रीमती सुमन पत्नी

राजवीर को प्रथम स्थान मिला। श्रीमती लक्ष्मी पत्नी लखनलाल को द्वितीय व प्रियंका पुत्री रामजीवन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाली महिलाओं को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया।

इसी क्रम में चैकी प्रभारी सरैंया चन्द्रमणि पाण्डेय की टीम ने गढचपा गांव से हिमांशु सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह, पद्युमनाथ चमार पुत्र मधुवा निवासी कौबरा को ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाते जुआ खेलते रंगेहाथ दबोचा। इस बीच अंधेरे का लाभ उठाकर शनी सिंह पुत्र स्व नरेन्द्र सिंह, पुष्पराज सिंह पुत्र राकेश सिंह, लवलेश मिश्रा पुत्र खुराकी निवासी गढचपा, परदेशी पुत्र शिवनन्दन, सुखराम प्रजापति पुत्र छोटा, कपिल सिंह पुत्र अशोक सिंह, सोमनाथ कोरी पुत्र शारदा निवासी कौबरा, उदयभान कुम्हार पुत्र मंगाली निवासी गढचपा भागने में सफल रहे। मालफड से 2940 रुपये व ताश के 52 पत्ते, जामा तलाशी में 390 रुपये व तीन मोटरसाइकिल बरामद की गईं।

किसानों को खाद न मिलने पर होगा आन्दोलन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में डीएपी खाद की कमी को लेकर कांग्रेसियों ने राज्यपाल सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम सदर राजबहादुर सिंह को सौंपा।

गुरुवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में एसडीएम सदर को राज्यपाल सम्बोधित सौंपे ज्ञापन में कहा कि रबी की फसल के पहले ही प्रदेश के मुखिया को बताया गया था कि किसान खाद के लिए परेशान हैं। एक बोरी खाद को सवेरे से लाइन लगाये किसान खडे रहते हैं। खाद का स्टाक होने के

बाद भी किसान परेशान हैं। कालाबाजारी के चलते किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है।

कांग्रेसियों ने मांग किया कि किसानों को खाद की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित न कराने पर कांग्रेस किसानों के हित के लिए आन्दोलन को बाध्य होगी। ज्ञापन देने में कांग्रेसी नेता अवधेश करवरिया, राकेश वर्मा, विजयमणि त्रिपाठी, अरुण गुप्ता, कुलदीप मिश्रा, गुरुदीन दुबे, शिवगुलाम वर्मा, चुनबाद प्रसाद, राजू नामदेव, धीर सिंह, पिन्टू केशरवानी आदि मौजूद रहे।

बांगरमऊ लखनऊ रोड पर बाइक से उछलकर गिरी महिला हुई मौत

लड़की की शादी तय कर वापस लौट रहे थे पति पत्नी

बांगरमऊ उन्नाव । अपनी बेटी की शादी की बात पक्की करने थाना अजगैन के अकबरपुर गांव से वापस आ रहे चंदू और उसकी पत्नी के शरजहां लखनऊ रोड के भटियापुर गांव के सामने केशरजहां अचानक बाइक से उछलकर सिर के बल रोड पर गिर पड़ी पति चंदू ने एम्बुलेंस सेवा में बात कर गाड़ी बुलाकर बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र लेकर आया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही यह खबर चंदू के गांव सुरसेनी में पता चली घर पर चीख पुकार मच गई। केशरजहां ने अपने पीछे तीन पुत्र दानिश आसिफ आरिफ और दो अविवाहित लड़कियां छोड़ कर चली गई। सभी बच्चों का हाल रो रो कर बुरा हो चुका है। कहां शादी पक्की होने पर खुशी के बाद अचानक गम में माहौल बदल गया। परिजनों ने पुलिस के साथ पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने से मना कर दिया और शव को लेकर गांव में अन्तिम संस्कार के लिए ले गए हैं।

भ्रष्टाचार की गंगा में नहा रहा सचिव

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी भूपेन्द्र द्विवेदी अतिरिक्त एडीओ पंचायत का चार्ज लेकर कई वर्षों से मानिकपुर ब्लाक में नियुक्त हैं। बडे पैमाने पर राज्यवित्त आयोग एवं 15वें वित्त आयोग के कार्यों पर भ्रष्टाचार के दाग लगे हैं।

ये खुलासा गुरुवार को हुआ। बताया गया कि मानिकपुर ब्लाक के गढचपा, हनुवा, सेमरदहा गांव में बीते वर्ष 21-22 के सत्र में गौवंशों के लिए सरकारी धन से भूसा-चारा के नाम पर अपने चहेते आपूर्तिकताओं के नाम भुगतान किया है। जिनके पास न खुद भूसे की दुकान है और न कहीं से खरीद्दारी की गई है। सेमरदहा गौशाला में भूसा-चारा के अभाव में दो गौवंशों की मृत्यु हो गई है। कोई अधिकारी औचक निरीक्षण को आता है तो दिखाने को सरसों-चना का भूसा डम्प किया है। गौवंशों को चारा-पानी नहीं दिया जा रहा।

ऐसे दबंग किस्म के सचिव पर उच्चाधिकारी क्यों कार्यवाही नहीं कर रहे। सूबे की योगी सरकार में भ्रष्टाचार जीरो टालरेंस का दावा कर रही है। वहीं सचिव सूबे की सरकार के आदेशों की धज्जियां उडाते हुए मानिकपुर ब्लाक में खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहा है। समाजसेवियों ने इनकी सभी ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यों की सीडीओ से जांच कराने की मांग की है।

सडक में दर्ज भूमि की लाखों में हो रही खरीद-फरोख्त

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के कपसेठी गांव में सिंचाई विभाग की चहारदीवारी से सटी सडक में दर्ज भूमि को लाखों रुपये में लोग बेंच रहे हैं। सडक किनारे की खसरा-खतौनी में गाटा संख्या 607 में सडक में दर्ज भूमि को लोग लाखों रुपये में खरीदकर हवेलियां खडी कर रहे हैं। इस मामले में भी जिले के आला अधिकारी खामोशी अख्तियार किये हैं।

इस मामले का खुलासा गुरुवार को हुआ। बताया गया कि कपसेठी गांव स्थित सिंचाई विभाग की चहारदीवारी से सटी भूमि खसरा-खतौनी में सडक में दर्ज है। उल्लेखनीय है कि पचास साल पहले मन्दाकिनी नदी से होकर यहां से सडक गुजरती थी।

शनै-शनै जब मन्दाकिनी पुल पक्का बना तो सडक भी उस सडक से कुछ दूरी पर आ गई। इस बीच पुरानी सडक पर लोगों ने झोपडियां बनाकर कब्जे कर लिए। अब सडक किनारे की भूमि की कीमत लाखों-करोडों में होने पर झोपडी बनाये लोग सडक में दर्ज भूमि को लाखों में बेंचकर नौ- दो-ग्यारह हो रहे हैं।

चित्रकूट विशेष क्षेत्र प्राधिकरण इस मामले में पूरी तरह से खामोशी धारण किये है। इस सडक पर लोगों की हवेलियां खडी हो रही है। फिर भी प्राधिकरण की खामोशी समझ से परे है। सडक की भूमि की खरीद-फरोख्त कैसे हो रही है। ये बात भी लोगों की समझ में नहीं आ रही है। अभी हाल में सडक में दर्ज 22 गुणे 32 की भूमि को अज्ञात व्यक्ति ने झोपडी बनाये एक महिला से खरीदकर उसमें हवेली खडी कर ली है। लोगों ने जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द से इस मामले में भी दखल देने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी का घर बुलडोजर से न ढहाना पडे।

चर्चित पब्लिक स्कूल से भागे नाबालिग मुम्बई में बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के एक चर्चित पब्लिक स्कूल से भागे नाबालिग बालिका व बालक को पुलिस ने मुम्बई में बरामद कर लिया है। दोनों के अभिभावकों के मुम्बई जाने पर उनकी सुपुर्दगी में दोनों को सौंपा गया है। यहां आने पर कोतवाली पुलिस ने फिलहाल कोई मामला दर्ज न कर मामले को रफा-दफा करने में जुटी है।

बीती 15 नवम्बर को शहर के एक चर्चित पब्लिक स्कूल से भागे नाबालिग बालक-बालिका को 18 नवम्बर को मुम्बई जीआरपी ने बरामद किया था। शहर के सदर रोड के एक सोनी परिवार का नाबालिग बालक व पुरानी बाजार के एक वैश्य परिवार की नाबालिग बालिका को भगाकर ले जाने की तहरीर पर फिलहाल कोतवाली पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। पुलिस मामले को रफा-दफा करने में जुटी है, जबकि नाबालिग बालक के बालिका को भगाने के मामले में पुलिस को कडी कार्यवाही करनी चाहिए। इस मामले में पुलिस की ढील और लापरवाही भविष्य में घातक कदम साबित हो सकती है।

पीड़ित बालिका के पिता ने बताया कि कर्वी कोतवाली पुलिस ने बालक के परिजनों से मिलकर मामले को रफा-दफा करना चाहती है। उसके मुताबिक रिपोर्ट फिलहाल नहीं दर्ज की जा रही है। बालिका के पिता ने कहा कि वह हर हाल में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने को प्रयासरत हैं। ये मामला इन दिनों शहर में सुर्खियां बटोर रहा है।

दो गांवों में लगेगा गोबर गैस प्लांट: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला स्तरीय गोवर्धन सेल की बैठक में बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले के दो गांव चयनित करना है। जिनमें गोबर गैस प्लांट मॉडल गांव व गौशाला के वेस्ट से चलाया जायेगा।

गुरुवार को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि गैस प्लांट से गैस घरों को भी आपूर्ति कराई जा सकती है। गौशालाओं से गांवों को बिजली भी उपलब्ध होगी। उससे निकले वेस्ट से जैविक खाद बनाकर पर्यावरण को शुद्ध किया जायेगा। जैविक खाद कृषि के लिए महत्वपूर्ण है। एफपीओ व प्रधान तालमेल बनाकर जैविक खाद बेंचकर स्वयं सहायता के लगाये व्यक्ति को भुगतान भी कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके संचालन को गांव में स्वयं सहायता समूह चलायेगा। चलाने की जिम्मेदारी सही होनी चाहिए। प्रधान की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। डीपीआरओ से कहा कि एक सेलेक्शन टीम बनाकर चार-पांच गांव का सर्वे करा लें। यह भी ध्यान रखें कि पानी, प्रधान और भौगोलिक स्थिति के अनुसार गांव का चयन करें। बैठक में सीडीओ अमृतपाल कौर, डीपीआरओ तुलसीराम, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुभाषचन्द्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, बीएसए लवप्रकाश यादव, ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविन्द मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मायावती का सपा, भाजपा और कांग्रेस पर निशाना, बोली प्रदेश ने नहीं की कोई खास तरक्की

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को भाजपा और सपा के साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि सपा और भाजपा के शासन काल में प्रदेश ने कोई खास तरक्की नहीं की। वहीं बसपा की सरकार में लोगों को सबसे अधिक रोजगार के साथ बुनियादी सुविधाओं का भी लाभ मिला। बसपा मुखिया मायावती ने ट्वीट कर कहा कि यूपी में बसपा सरकार में लोगों को रोजगार तथा बुनियादी सुविधाओं से युक्त नए पक्के मकान व भूमि आदि भी फ्री में लाखों परिवारों को आवंटित करके यहां गरीबों का जीवन धन्य होते हुए सभी ने देखा, किन्तु पहले सपा व अब भाजपा। सरकार में भी वैसी खास प्रगति क्यों नहीं?

उन्होंने कहा कि यूपी में देशी व विदेशी पूंजीनिवेश के लिए सरकार का अनवरत प्रयास जरूरी है, किन्तु यह केवल खेती भूमि के अधिग्रहण तथा राजनीतिक एवं चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। यूपी जैसे अति-गरीबों के पिछड़े प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में वैसी ही तेज प्रगति भी लोगों को दिखनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूपी की समग्र प्रगति, विकास व लोगों की रोजी-रोटी के साथ ही उनकी सुरक्षा व आत्म-सम्मान के लिए बीएसपी की हुकूमत मे जो कुछ खास काम किया वह अपने बलबूते पर किया गया।

हत्या के मामले में कारोबारी सुभाष अग्रवाल समेत चार को आजीवन कारावास

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। हत्या के एक मामले में अपर सत्र न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलें सुनकर पिता-पुत्र समेत चार लोगों के दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक आरोपी को 24 हजार रुपये के जुमार्ना से भी दंडित किया है।

गुरुवार को जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील सिंह ने बताया कि राजापुर थाने में भानुप्रताप शर्मा ने 13 अगस्त 2006 को पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि 12 अगस्त को उसके पुत्र शैलेन्द्र प्रताप उर्फ बंटी राजापुर अस्पताल गेट के बाहर पान की दुकान के पास तीरधुमाई गांव के घनश्याम द्विवेदी पुत्र रवीशंकर से बातचीत कर रहा था। इस बीच शाम पांच बजे दो मोटरबाइकों से पांच लोग आये। जिनमें गडौली निवासी रामचरित्र, अर्की निवासी रामराज मिश्रा, राजापुर निवासी मुकेश कुमार केशरवानी, दूसरी बाइक पर अर्की निवासी दीपू मिश्रा पुत्र रामराज व बच्चा अग्रवाल उर्फ सुभाष अग्रवाल बैठे थे।

इन लोगों ने आते ही उसके पुत्र शैलेन्द्र प्रताप को जान से मारने की गरज से तीन फायर किये। रामराज मिश्रा की चलाई एक गोली शैलेन्द्र के पेट में लगी। घायलावस्था में शैलेन्द्र को पिता भानुप्रताप राजापुर अस्पताल ले गये। वहां से रेफर होने पर इलाज को प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में शैलेन्द्र की मृत्यु हो गई। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्जकर न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोपियों में एक रामचरित्र पाण्डेय की पत्रावली अलग होने से शेष चार आरोपियों के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद धारा 147, 148 व 302 आईपीसी तथा धारा 149 आईपीसी में दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास और 24 हजार रुपये के जुमार्ना से दंडित किया है। ये मामला उस दौर में खासा चर्चित हुआ था, क्योंकि इसमें कारोबारी सुभाष अग्रवाल उर्फ बच्चा अग्रवाल का नाम शामिल था।

2017 से अब तक एनकाउंटर में मारे गए 168 अपराधी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'अपराधियों पर शिकंजा कसने और उन पर लगाम लगाने' के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की बार-बार सराहना की है। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2017 से अब तक 168 अपराधी एनकाउंटर में मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश पर 75 हजार से पांच लाख रुपये तक का इनाम था।

पुलिस ने 20 मार्च, 2017 से 20 नवंबर, 2022 तक गिरफ्तार किए गए 22,234 अपराधियों में से 4,557 को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है।

उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) (कानून व्यवस्था), प्रशांत कुमार ने कहा कि गोलीबारी के दौरान 13 पुलिसकर्मी भी मारे गए, जबकि 1,375 पुलिसकर्मियों को

गोलियां लगीं। कुमार ने कहा, अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत, उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा 2017 से गिरोह के सरगनाओं और माफियाओं के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया है। इसमें विशेष कार्य बल (एसटीएफ), आयुक्तालय और जिला पुलिस की पुलिस भी शामिल रही है।

कुमार ने बताया कि खूंखार डकैत उदय भान यादव उर्फ गौरी यादव, जिसका आतंक पड़ोसी मध्य प्रदेश तक फैला था, 2021 में चित्रकूट में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

उस पर उत्तरप्रदेश में पांच लाख रुपये का इनाम था और उस पर डकैती और हत्या के प्रयास के लगभग 50 मामले दर्ज थे।

एक अन्य अपराधी 2.5 लाख रुपये का इनामी बलराज भाटी वर्ष 2018 में पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया था। उस पर 20 से अधिक मामले दर्ज थे।

यूपी एडीजी ने कहा कि सबसे ज्यादा 64 अपराधी मेरठ जोन में मारे गए और गिरफ्तारियां भी सबसे अकिध (6,494) हुईं। पुलिस अधिकारी ने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट भी लगाया और उनकी संपत्तियों को भी जब्त किया।

शौच के लिए गयी महिला की नदी में डूबने से मौत

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र के सत्ती चौरा चौकी अंतर्गत ग्राम सभा हरिबंधन पुर थरेरू मजरे सरजूपुर कुरिया निवासी 60 वर्षीय सुदामा देवी पत्नी राम गोपाल यादव सुबह नदी के किनारे शौच के लिए गयी थी। अचानक पैर फिसल जाने से नदी में डूबने लगी। चीख पुकार सुन मौके पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने नदी में कूदकर डूब रही महिला को बचाने का प्रयास किया लेकिन नदी की धारा में चले जाने के कारण महिला डूब गई जिसकी सूचना ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी कर दी सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी महिला कांस्टेबल लेकर घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में डूबी महिला का शव बाहर निकाला इस संबंध में पूछे जाने पर चौकी प्रभारी रविश कुमार यादव को दी। प्रधान एवं मृतक के परिजनो की मौजूदगी मे शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह 28 को

रुदौली-अयोध्या। गरीब बेटियों की शादी के लिए समाज कल्याण विभाग ने कमर कस ली है रुदौली बिधानसभा में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम 28 नवम्बर सोमवार को एमएलएस कालेज जखौली के परिसर में संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव है, यह जानकारी एडीओ समाज कल्याण मवई / रुदौलीर वीश मिश्रा एवं सुपरवाइजर स.क. रूदौली सर्वेश सिंह ने दी है उन्होंने बताया कि रुदौली और मवई ब्लॉक सहित रुदौली नगर के लगभग 101 जोड़ो का बिबाह संपन्न होगा।

कतर ने दी सफाई- विश्वकप फुटबाल के समारोह में जाकिर नाईक को नहीं किया आमंत्रित

दोहा। विश्व कप फुटबाल उद्घाटन समारोह में भारत के भगोड़े जाकिर नाईक के शामिल होने की खबरों पर कतर ने अपनी सफाई देते हुए कहा है कि उसने जाकिर को किसी भी तरह का कोई आधिकारिक निमंत्रण नहीं दिया। दोहा ने कहा कि अन्य देशों द्वारा गलत सूचना फैलाने से दोनों देशों के बीच के रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं। कतर की तरफ से यह प्रतिक्रिया भारत की उस आपत्ति के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि अगर विश्व कप के उद्घाटन समारोह में नाईक को आमंत्रित किया गया तो भारत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की 20 नवंबर की प्रस्तावित यात्रा को रद्द कर देगा। कतर ने आधिकारिक माध्यम से भारत को सूचना देते हुए कहा कि उसने भगोड़े जाकिर नाइक को विश्व कप उद्घाटन समारोह में न तो आधिकारिक निमंत्रण दिया था और ना ही उसे महत्वपूर्ण हस्तियों की सूची में शामिल किया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक सूचना थी कि नाईक मलेशिया से कतर निजी दौरे पर

कतर की तरफ से यह प्रतिक्रिया भारत की उस आपत्ति के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि अगर विश्व कप के उद्घाटन समारोह में नाईक को आमंत्रित किया गया तो भारत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की 20 नवंबर की प्रस्तावित यात्रा को रद्द कर देगा।

यात्रा कर सकता है। इसकी जानकारी होने पर केंद्र की तरफ से पहली प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा था कि भारत इस मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखेगा और इसका विरोध करेगा। पुरी से कतर के नाईक को विश्व कप फुटबाल में आमंत्रित करने के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनको कोई जानकारी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत इसका विरोध करेगा, तब उन्होंने जवाब देते हुए कहा, भारत इस मुद्दे को उठाएगा, लेकिन प्रश्न यह है कि अगर मलेशियाई नागरिक को कही आमंत्रित किया जाता है तो वे बेहतर जानते हैं। मेरी भी जानकारी उतनी ही है जितनी की आप की। पुरी ने कहा कि अगर आप जाकिर नाईक के बारे में मेरा जानना चाहते हैं तो मेरा भी विचार वही होगा जो आपका है।

जहां तक नाईक के संदर्भ में हमारा (भारत) विचार है, हम संबंधित आधिकारिक मंच पर अपना तथ्य मजबूती के साथ रखेंगे। गोवा के एक भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस मुद्दे पर भारतीयों को विश्व कप का बहिष्कार करना चाहिए।

भारत में वांछित नाईक वर्ष 2016 से मलेशिया में है, उस पर भारत में मनी लांड्रिंग और नफरती भाषण से धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप है। मार्च 2022 में गृहमंत्रालय ने नाईक को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत उसके इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) को गैरकानूनी संगठन करार देते हुए पांच साल के प्रतिबंधित कर दिया था। भारत ने नाईक के प्रत्यर्पण के लिए मलेशिया से भी अनुरोध किया था, क्योंकि उसकी वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों में कथित भूमिका थी। वर्तमान में इंटरपोल द्वारा नाईक के खिलाफ रेड कार्नार नोटिस जारी किया हुआ है। उसके घृणा फैलाने वाले भाषणों के लिए ब्रिटेन और कनाडा द्वारा मलेशिया के 16 प्रतिबंधित लोगों में नाईक भी शामिल है।

भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाली चीनी राजदूत की मंशा पर फिरा पानी, नेपाल से लेनी पड़ रही विदाई

काठमांडू। नेपाल में रहकर भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाली चीनी राजदूत हाओ यांगकी ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। अब उन्हें नेपाल छोड़कर जाना होगा। नेपाल में नई सरकार के शपथग्रहण से पहले भारत के लिए यह अच्छी खबर मानी जा रही है। चीन ने हाओ को अब नेपाल से हटा कर आसियान देशों के मामले देखने के लिए इंडोनेशिया में भेजा है। हाओ यांकी राजदूत डेंग जिजुन की जगह लेंगी। बता दें कि हाओ 2018 से काठमांडू में तैनात हैं। वह चुनाव खत्म होने का इंतजार कर रही थी। अब जब चुनावी प्रक्रिया पूरी हो गई है तो उन्हें विदाई लेनी पड़ रही है।

कौन हैं हाओ यांगकी

साल 2018 से नेपाल में चीन की राजदूत के रूप में काम कर रही हाओ यांगकी को दक्षिण एशियाई मामलों का जानकार माना जाता है। इसी लिहाज से हाओ यांगकी ने विदेश मंत्रालय में लंबे वक्त तक डिप्टी डायरेक्टर की भूमिका निभाई और कई अहम फैसले लिए। उनके कई फैसले से चीन का संबंध पड़ोसी देशों से प्रभावित हुआ। यांगकी ने चीनी राजदूत के तौर पर पाकिस्तान में भी तीन साल बिताए हैं।

पाकिस्तान के बाद नेपाल में चलानेलगीं भारत विरोधी एजेंडा

भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार हाओ यांगकी ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में काम करते हुए पाकिस्तानी सरकार के लिए भी कई नीतियों पर काम किया है। इनमें से कई

नीतियां ऐसी भी थी जिनका संबध भारत से था। पाकिस्तान में उनकी सफलता को देखते हुए उन्हें नेपाल भेजा गया। भारत और नेपाल के रिश्तों में पहली बार इतनी कड़वाहट आई है। दोनों देशों के बीच बेटी और रोटी का संबंध है।

नेपाल को उकसाने में यांगकी ने कोई कसर नहीं छोड़ी

नेपाल ने जबसे विवादित नक्शा को अपने हिस्से में शामिल किया है, तभी से दोनों देशों के बीच तल्खियां बढ़ी हैं। माना जा रहा है कि नेपाल की इस खुराफात के पीछे यांगकी का ही हाथ है। उन्होंने ही पीएम ओली और नेपाल की संसद को इसके लिए तैयार किया। जानकारी के मुताबिक यांगी पीएम ओली के दफ्तर और उनके निवास पर भी बिना रोक टोक ही आती जाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि नेपाल की सत्तासीन पार्टी के जिस प्रतिनिधिमंडल ने नक्शे में संशोधन के लिए विधेयक बनाया, यांगी उसके संपर्क में भी थीं।

यांगकी ने अपने एजेंडे को चलाने के लिए उर्दू भाषा सीखी

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली यांगकी के कूटनीतिक दिमाग का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्होंने पाकिस्तान में अपने एजेंडे को चलाने के लिए उर्दू भाषा सीखी। यांगकी सोशल मीडिया में चीन की सांस्कृतिक और सामाजिक बातों का बढ़चढ़ कर बखान करती है। इसे सॉफ्ट पॉवर बढ़ाना कहा जाता है।

पेशावर में मस्जिद गिरा कर बाजार बनाने की योजना, मेयर समेत कई नेता विरोध में उतरे

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर में जर्जर जुमा मस्जिद को गिराने का विरोध शुरू हो गया है। जिला प्रशासन की योजना का शहर के मेयर व कई तहसीलों के प्रमुख विरोध कर रहे हैं। उन्होंने मस्जिद संरक्षण समिति के समर्थन का एलान किया है। जिला प्रशासन मस्जिद की जमीन पर बाजार या व्यावसायिक इमारत बनाना चाहता है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार मस्जिद गिराए जाने की योजना को लेकर विवाद पैदा हो गया है। पेशावर के मेयर हाजी जुबैर अली ने कहा है कि जिला प्रशासन को जुमा मस्जिद विवाद में शामिल नहीं होना चाहिए। वह जनता और प्रशासन के बीच इसे लेकर टकराव के पक्ष में नहीं हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पेशवर जिला प्रशासन ने जुमात मस्जिद को उसकी जर्जर हालत के कारण गिराने की योजना बनाई है। हाजी जुबैर अली के हवाले से डॉन ने कहा कि जिला प्रशासन को जुमात मस्जिद मामले में किसी भी तरह के दखल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे गिराने से बचाने के लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे। पेशावर मेट्रोपोलिटन सरकार की जमीन किसी अन्य काम में इस्तेमाल नहीं करने देंगे। उधर, जेयूआई-एफ के नेता अमानुल्लाह हक्कानी ने कहा है कि मस्जिद गिराकर जमीन का इस्तेमाल बाजार बनाने या वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए नहीं करने दिया जाएगा। हक्कानी ने जोर देकर कहा कि जिला प्रशासन ने पहले घोषणा की थी कि मस्जिद की जगह पर प्लॉजा नहीं बनाया जाएगा।

भगोड़े नीरव मोदी ने प्रत्यर्पण के आदेश के खिलाफ यूके सुप्रीम कोर्ट में अपील की मांगी अनुमति

लंदन। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने लंदन के हाईकोर्ट में अर्जी दायर कर अपने प्रत्यर्पण के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति मांगी है।

51 वर्षीय हीरा कारोबारी ने इस महीने की शुरुआत में मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर एक अपील खो दी थी, जब हाईकोर्ट की दो जजों की पीठ ने फैसला सुनाया था कि आत्महत्या का जोखिम ऐसा नहीं था कि उसका सामना करने के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित करना या तो अन्यायपूर्ण या दमनकारी होगा। आरोपी नीरव मोदी पर अनुमानित स्र्ष्ठ 2 बिलियन पंजाब नेशनल बैंक (क्कहृक्च) ऋण घोटाला मामले में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप है।वर्ष 2018 में देश के दूसरे सबसे बड़े सरकारी बैंक पीएनबी में 114 अरब रुपये का घोटाला सामने आया। उस समय पीएनबी ने आरोप लगाया था कि अरबपति ज्वेलरी डिजाइनर नीरव मोदी ने बैंक की मुंबई स्थित एक शाखा से फर्जी तरीके से शपथ पत्र हासिल कर अन्य भारतीय बैंकों से विदेशों में पैसा हासिल कर लिया। देश का सबसे बड़े बैंकिंग घोटाला कहे जाने वाले इस मामले में पीएनबी ने अपने दस अधिकारियों को निलंबित करते हुए और सीबीआई से इसकी शिकायत की थी। घोटाले की खबर सामने आने के बाद पीएनबी के शेयरों में करीब दस फीसदी की गिरावट आई, जिससे निवेशकों के करीब 4000 करोड़ रुपये डूब गए।

इंडोनेशिया में भूकंप: जाको राखे साइयां...दो दिन बाद मलबे से जिंदा निकला छह साल का बच्चा, माता-पिता की मौत

जावा प्रांत। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत के सियांजुर में आए 5.6 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक इस तबाही में अब तक 271 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद 151 लोग लापता हैं, जबकि 1083 घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 300 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। लेकिन इन सबके बीच एक अच्छी खबर भी आई है कि बुधवार देर शाम मलबे से छह साल के बच्चे को जिंदा निकाल लिया गया। फिलहाल बच्चा अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज किया जा रहा है। बच्चा लगभग तीन दिनों तक मलबे में जिंदा रहा। बच्चे को जिंदा देखकर लोगों को हैरानी हुई आखिर बिना खाए-पिए तीन दिन तक कैसे जिंदा रहा।

बच्चे की माता, पिता और दादी की हो गई मौत

इंडोनेशिया की नेशनल एजेंसी फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट (बीएनपीबी) ने कहा कि बचावकर्ताओं ने सियानजुर रीजेंसी के कुगेनांग उप जिले के नागरक गांव में अज्का मौलाना मलिक नाम के बच्चे को बचाया गया। फुटेज में वह पल दिखाया गया जब एक बचाव दल ने उसे ढूंढ निकाला। एजेंसी ने कहा कि लड़का अपनी दादी के शव के बगल में मिला था। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अज्का का अब सियांजुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। एजेंसी ने कहा कि बचावकर्मियों ने पहले उसके माता-पिता के शव निकाले थे।

इजराइल की राजधानी येरुशलम के दो प्रवेश द्वारों पर धमाके, एक की मौत और 18 लोग घायल

यरुशलम। इजराइल की राजधानी येरुशलम के दो प्रवेश द्वारों पर ताबड़तोड़ दो जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कम से कम 18 लोग घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

इजराइल की राजधानी येरुशलम ो आतंकियों के निशाने पर रही। बुधवार सुबह सात बजे आतंकियों ने पहले पश्चिम येरुशलम के गिवट शॉल स्थित प्रवेश द्वार के बस स्टॉप पर जोरदार धमाका किया। धमाका इतनी तेज था कि कई बसें क्षतिग्रस्त हो गयीं। कुछ बसें धू-धू कर जलती देखी गयीं। अभी सुरक्षा बल यहां की स्थितियों को नियंत्रण में ले रहे थे, तभी येरुशलम के दूसरे प्रवेश द्वार

रामोट जंक्शन पर दूसरा धमाका हुआ। दोनों धमाकों की चपेट में भारी संख्या में लोग आए। इनमें से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी। अस्पताल पहुंचाए गए 18 घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

इजराइल के सुरक्षा बल विस्फोट की पड़ताल में जुटे हैं। अभी विस्फोटों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस का मानना है कि बस के पास रखे एक हैंडबैग में रखे बम से विस्फोट हुआ है।

अत्यधिक सक्रिय बस स्टैंड पर बैग में बम रखकर बड़ी वारदात करके आतंकी इजराइल प्रशासन को बड़ी चुनौती देने की रणनीति पर काम कर रहे थे। अभी तक किसी समूह ने इन धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। इजराइली सुरक्षा एजेंसियां दोनों विस्फोट स्थलों के आसपास सघन छानबीन कर रही हैं, ताकि धमाकों से जुड़े किसी संदिग्ध का पता लगाया जा सके।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूसी हमले में तीन की मौत, शहरों में बिजली कटौती

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव में रूसी हमले में ध्वस्त हुई दो मंजिला इमारत में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। कीव के प्रशासन ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के बुनियादी ढांचों पर ो नए सिरे से हमलों के बाद अधिकारियों ने कीव के कुछ हिस्सों और पड़ोसी मोल्दोवा क्षेत्र में बिजली कटौती की सूचना दी। वहीं, रूसी हमलों के मद्देनजर कीव सहित पूरे यूक्रेन में ो हवाई हमले की चेतावनी देने वाला सायरन बजाया गया। सायरन बजने के कुछ ही समय बाद कीव में कई धमाकों की आवाजें भी सुनाई दी, जिनसे लगा कि शहर में कई बम विस्फोट हुए हैं। मेयर विटाली क्लिश्को ने टेलीग्राम पर लिखा है कि राजधानी के बुनियादी ढांचों में से एक हमले की चपेट में आया है। उन्होंने लोगों से बंकरों में रहने को कहा है। हवाई हमले की चेतावनी देने वाला सायरन लगातार बज रहा है। मेयर ने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यूक्रेन के कई क्षेत्रों से हमले की खबरें सामने आ रही हैं। कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हमलों की खबरें हैं। रूस बिजली ग्रिड और अन्य केन्द्रों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहा है।

मेयर विटाली क्लिश्को ने टेलीग्राम पर लिखा है कि राजधानी के बुनियादी ढांचों में से एक हमले की चपेट में आया है। उन्होंने लोगों से बंकरों में रहने को कहा है। हवाई हमले की चेतावनी देने वाला सायरन लगातार बज रहा है।

बुर्किना फासो में दो आतंकी हमलों में सेना के आठ जवानों सहित 14 की मौत

औगाडोगू। पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में आतंकी समूहों ने दो जोरदार हमले किये। इन हमलों में सेना के आठ जवानों सहित 14 लोगों की मौत हो गयी। कई लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है। बुर्किना फासो की सीमाएं माली, नाइजर, बेनिन, टोगो, घाना और कोट द' आईवोर से मिलती हैं। यहां सेना का भी वर्चस्व है। असंतुष्ट सैन्य अधिकारियों ने इसी वर्ष यहां दो बार तख्तापलट किये हैं। यह देश वर्ष 2015 से आतंकी हमलों से जूझ रहा है। इस दौरान आतंकी हमलों में यहां हजारों नागरिक और सुरक्षाबल के जवान मारे गए हैं। हालात ये हैं कि देश से 20 लाख से अधिक लोग पलायन कर चुके हैं। अब एक बार फिर बुर्किना फासो आतंकी हमलों से दहल गया है। लगातार हुए दो हमलों में से पहला हमला सुबह तड़के सफी

गांव पर हुआ। यहां हथियारबंद लोगों ने हमला बोला। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गयी। यहां आतंकियों ने आगजनी भी की। दूसरा हमला मारकोय इलाके के पास हुआ। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गयी। हमलों में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मारकोय इलाके में मारे गए एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने बताया कि आतंकवादियों ने सलमोसी-मरकोय मार्ग पर तीन लोगों का अपहरण कर लिया। ये तीनों बाद में मृत पाए गए। आतंकवादी कई अन्य लोगों का अपहरण कर अपने वाहन में ले गए हैं।

ले. जनरल आसिम मुनीर होंगे पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ, शहबाज सरकार का बड़ा फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लंबे समय से चल रही नए आर्मी चीफ की तलाश अब खत्म हो गई है। यहां की शहबाज शरीफ सरकार ने ले. जनरल आसिम मुनीर को पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ के रूप में नियुक्त किया है। मुनीर जनरल कमर जावेद वाजवा की जगह लेंगे।

इसके अलावा लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब ने इसकी जानकारी दी है। यह नए सेना प्रमुख की नियुक्ति की प्रक्रिया के उस समय शुरू हुई जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संभावित उम्मीदवारों के लिए देश के रक्षा मंत्रालय को एक पत्र लिखा था।

कौन हैं लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर

लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को पाकिस्तान में एक उत्कृष्ट अधिकारी माना जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर ने मंगला में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल

कार्यक्रम के माध्यम से सैन्य सेवा में प्रवेश किया और उन्हें फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया। वह जनरल बाजवा के तब से करीबी सहयोगी रहे हैं, जब से उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख, जो उस समय कमांडर एक्स कोर थे, के तहत एक ब्रिगेडियर के रूप में फोर्स कमांड उत्तरी क्षेत्रों में सैनिकों की कमान संभाली थी। लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को बाद में 2017 की शुरुआत में सैन्य खुफिया महानिदेशक नियुक्त किया गया था, और अगले साल अक्तूबर में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस प्रमुख बनाया गया था।

हालांकि, शीर्ष खुफिया अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल अब तक का सबसे छोटा कार्यकाल रहा, क्योंकि उन्हें तत्कालीन पीएम इमरान खान के आग्रह पर आठ महीने के भीतर बदल दिया गया था। क्वार्टर मास्टर जनरल के रूप में सामान्य मुख्यालय में स्थानांतरित होने से पहले, उन्हें गुजरांवाला कोर कमांडर के रूप में तैनात किया गया था, जिस पद पर उन्होंने दो साल तक काम किया था।

एयर इंडिया ने महिला और पुरुष क्रू मेंबर्स के लिए बनाई गाइडलाइंस

नई दिल्ली। टाटा समूह एयर इंडिया एयरलाइन को फिर से दुनिया की बेहतरीन एयरलाइंस कंपनी बनाने की कवायद में लगा है। एयर इंडिया की कमान टाटा के हाथ में आने के बाद से इसमें कई बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने अब महिला और पुरुष क्रू मेंबर्स के सजने-संवरने के लिए भी नई गाइडलाइंस जारी की है।

कंपनी की ओर से जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक महिला और पुरुष क्रू मेंबर्स को अब स्वयं को तैयार करना होगा। नई गाइडलाइंस के अनुसार महिला क्रू मेंबर्स के लिए बिंदी का साइज, चूड़ियों की संख्या और लिपस्टिक और नेल पेंट का कलर तक तय की गई है। इसी तरह किसी पुरुष केबिन क्रू मेंबर्स के बाल झड़ने या गंजापन की शिकायत है, तो उन्हें अपने बालों को क्लीन शेव करना होगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

रूस का दावा: क्रीमिया पर यूक्रेन का हमला नाकाम, मार गिराए दो ड्रोन

यूक्रेन के जापोरिज्जिया में जच्चा-बच्चा अस्पताल पर रूसी मिसाइल से हमला

मॉस्को। यूक्रेन पर रूसी हमले के नौ महीने पूरे होते-होते दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ता जा रहा है। अब रूस ने क्रीमिया पर यूक्रेन के हमले को नाकाम करने का दावा किया है। कहा गया है कि यूक्रेन के दो ड्रोन रूसी सेना ने मार गिराए हैं।

यूक्रेन पर रूस की सेना ने 24 फरवरी को हमला किया था। नौ महीने बाद भी दोनों देशों के बीच युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब क्रीमिया के सेवस्तोपोल में तैनात रूसी गवर्नर मिखाइल रजवोजाहेव ने दावा किया कि यूक्रेन की तरफ से उनके क्षेत्र में दो बार ड्रोन हमला किया गया। यूक्रेन के ये ड्रोन यानी अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) एक थर्मल पावर स्टेशन को निशाना

बनाकर भेजे गए थे। रूस की वायु सेना ने इन दोनों ड्रोन को मार गिराकर हमला नाकाम करने का दावा किया है। इस मसले पर यूक्रेन की तरफ से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। रूस ने हमले वाले क्षेत्र में रह रहे लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मिखाइल रजवोजाहेव ने कहा कि यूक्रेनी नाजियों ने फिर से बालाक्लावा में थर्मल पावर स्टेशन पर हमला करने की कोशिश की है। यूक्रेन ने तीन ड्रोन से हमला किया, किन्तु रूसी सेना ने इस हमले को विफल कर दिया। दो ड्रोन मार गिराने का दावा कर उन्होंने कहा कि एक ड्रोन वापस जाने में कामयाब हो गया। उन्होंने कहा कि सेवस्तोपोल शहर अब शांत हैं, किन्तु सेना चौकन्नी है। इस बीच यूक्रेन पर रूस का हमला भी लगातार जारी है। यूक्रेन के जापोरिज्जिया में रूसी सेनाओं ने एक अस्पताल पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में अस्पताल तो नष्ट हुआ ही, एक नवजात शिशु की मौत भी हो गयी। जापोरिज्जिया के विलनियान्स्क स्थित जच्चा-बच्चा अस्पताल पर यह मिसाइल दागी गयी, जिससे अस्पताल जल उठा। हमले में कई लोगों के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है।

इस बीच यूक्रेन पर रूस का हमला भी लगातार जारी है। यूक्रेन के जापोरिज्जिया में रूसी सेनाओं ने एक अस्पताल पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में अस्पताल तो नष्ट हुआ ही, एक नवजात शिशु की मौत भी हो गयी। जापोरिज्जिया के विलनियान्स्क स्थित जच्चा-बच्चा अस्पताल पर यह मिसाइल दागी गयी, जिससे अस्पताल जल उठा। हमले में कई लोगों के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है।